राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 07 दिसंबर 2025 वर्ष-8,अंक-280 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जयशंकर का ट्रंप को परोक्ष संदेश... भारत और रुस के संबंधों पर कोई देश वीटो नहीं लगा सकता

- भारत-अमेरिका रिश्ते पर पीएम मोदी ने काफी मेहनत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हाल ही में हुई दो दिवसीय भारत यात्रा नई दिल्ली और मॉस्को के बीच संबंधों को नए सिरे से पारिभाषित करेगी। एक कार्यक्रम में एस. जयशंकर ने कहा कि बीते 70-80 वर्षों में दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैंने पहले भी कहा है, और मैं इस बात को फिर से कहूंगा, भारत-रूस संबंध दुनिया के सबसे स्थिर संबंधों में से एक रहे हैं। दुनिया को कोई भी देश हमारे संबंधों पर वीटो नहीं लगा सकता है।

जयशंकर ने भारत के अपने वैश्विक साझेदार चुनने की स्वतंत्रता का जिक्र कर कहा कि जियोपॉलिटिकल उतार-चढ़ाव से भरी दुनिया में मॉस्को के साथ नई दिल्ली के संबंध सबसे स्थिर रहे हैं। किसी भी देश के लिए किसी अन्य देश के साथ भारत के संबंधों पर वीटो लगाना अनुचित है। जयशंकर ने बताया, अमेरिका के साथ 80-90 के दशक और सन 2000 के आसपास हमारा आर्थिक रिश्ता बढ़ा, लेकिन रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में ऐसा नहीं हुआ, जब तक कि न्यूक्लियर डील नहीं हुई। हमारी कई यूरोपीय देशों के साथ अच्छे रिश्ते रहे हैं। लेकिन वे चीन को प्राइमरी पार्टनर मानते हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, रूस और भारत ने इन दशकों में कई उतार-चढ़ाव देख लिए हैं, दोनों देशों के बीच रिश्ते काफी अहम रहे हैं। हालांकि, रूस के चीन और यूरोप के साथ रिश्ते काफी ऊपर और नीचे रहे है। विदेश नीति किसी मूवी से ज्यादा अलग होता है, पुतिन का भारत आना दोनों देशों के लिए क्या अहम है। उन्होंसने कहा कि कोई भी देश हमारे रिश्तोंर पर वीटो नहीं लगा सकता है। दरअसल जयशंकर का इशारा, अमेरिकी राष्ट्रीपति डोनाल्ड् ट्रंप की ओर था, जो इस बात पर अड़े हैं कि भारत को रूस के साथ डिफेंस डील नहीं करनी चाहिए, कच्चार तेल नहीं खरीदना चाहिए। हालांकि, भारत ने कई मौकों पर साफ कह चुका हैं कि भारत किसी देश के दबाव में झुकने वाला नहीं है।

जयशंकर ने कहा, भारत-अमेरिका रिश्ते पर पीएम मोदी ने काफी मेहनत की है। हर सरकार हर अमेरिकी राष्ट्रपति का अपना अलग तरीका है। ट्रंप का तरीका एकदम अलग है। उन्होंने खुद भी ऐसा कहा है। मेरे लिए विदेश नीति हर वक्त आपके हिसाब से नहीं चल सकती है। दिक्कीतें आएंगी, आज अमेरिका से है, कल किसी और के साथ आ सकती है। कारोबार पर कोई बात बन सकती है, हम बातचीत कर सकते हैं। ये देश के लाइवलीहुड का सवाल है। हमारे लिए वर्कर, फॉर्मर और मिडिल क्लास अहम है।

पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर में बारिश-बर्फबारी

कई राज्यों में पारा 0 डिग्री, दिल्ली में भी सर्द हवाओं का डेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में मौसम एक बार फिर करवट ले रहा है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती प्रणालियों ने पहाड़ों से लेकर मैदानी राज्यों तक ठंड को तीखा कर दिया है। दिल्ली- एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में शीतलहर का असर गहराता जा रहा है। जबकि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचे इलाकों में शून्य से नीचे तापमान से जनजीवन चुनौतीपूर्ण बना दिया है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार दिसंबर की शुरूआत के साथ ही उत्तर भारत के मौसम में तेज बदलाव दर्ज किया जा रहा है। पहाड़ी क्षेत्रों में जहां बर्फबारी की संभावना बढ़ी है, वहीं मैदानी राज्यों में कड़ाके की ठंड और कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और कई चक्रवाती प्रसार अगले दिनों में मौसम को और अधिक परिवर्तित कर सकते हैं। उत्तर भारत में मौसम के बदलते रुख का सबसे बड़ा कारण लगातार सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ हैं। एक महत्वपूर्ण पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पंजाब और उसके आसपास 3.1 से 4.5 किमी की ऊंचाई पर मौजूद है। इसकी वजह से बना चक्रवाती प्रसार उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के ऊपर प्रभाव पैदा कर रहा है। साथ ही एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ ऊपरी वायुमंडल में उत्तर दिशा में फैल रहा है जो आने वाले दिनों में बारिश और बर्फबारी को बढ़ा सकता है। इसी प्रभाव से उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। हिमाचल प्रदेश इस समय शुष्क और अत्यंत ठंडे मौसम से गुजर रहा है। कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया है। मौसम केंद्र शिमला ने 5 से 7 दिसंबर के बीच चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जिलों के ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी की आशंका जताई है। कश्मीर घाटी भीषण ठंड की चपेट में है। कई स्थानों पर पारा लगातार शून्य से नीचे बना हुआ है।

सरकार का निर्देश: इंडिगो बिना देरी पैसेंजर्स को रिफंड दे

48 घंटे में सामान लौटाए, दूसरी एयरलाइंस किराया न बढ़ाएं, आज 400+ फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो के ऑपरेशन में लगातार 5वें दिन शनिवार को सुधार नहीं दिख रहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक देश के 4 बड़े एयरपोर्ट समेत कई शहरों से आज भी इंडिगो की 400 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल की जा चुकी हैं। इस बीच, सिविल एविएशन मिनिस्ट्री (MoCA) ने इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह बिना देर किए सभी पेंडिंग पैसेंजर रिफंड क्लियर करे। रिफंड प्रोसेस रविवार 7 दिसंबर की रात 8 बजे तक पूरा हो जाना चाहिए। सरकार ने यह कहा कि एयरलाइन उन पैसेंजर्स से कोई रीशेड्यूलिंग चार्ज न लें जिनके ट्रैवल प्लान फ्लाइट कैंसिल होने से प्रभावित हुए हैं। रिफंड में देरी और नियमों के उल्लंघन पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। दरअसल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई एयरपोर्ट पर रातभर पैसेंजर फ्लाइट और

सामान के लिए परेशान दिखे। पिछले 4 दिन में 2,000 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। रोजाना एवरेज 500 फ्लाइट लेट हो रही हैं। इसके पहले एक निर्देश में सरकार ने हवाई किराए पर लिमिट लगाई। सरकार ने कहा कि दूसरी एयरलाइंस किराए की लिमिट का सख्ती से पालन करें। हालात नॉर्मल होने तक यह लिमिट बनी रहेगी। सिविल एविएशन मिनिस्टर राम मोहन नायडू ने कहा कि नए FDTL नॉर्म्स 1 नवंबर से लागू हैं, लेकिन किसी अन्य एयरलाइन को दिक्कत नहीं आई, जिससे साफ है कि गलती इंडिगो की है। एयरलाइन की लापरवाही की जांच होगी और एक्शन तय है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने एयलाइंस, खासकर इंडिगो को 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी राहत दी है। वीकली रेस्ट के बदले कोई भी छुट्टी नहीं देने के फैसले को वापस ले लिया। DGCA ने 1 नवंबर से पायलटों और बाकी क्रू मेंबर्स के काम से जुड़े नियमों में बदलाव किए थे। इसे फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नाम दिया गया है। इन्हें दो चरणों में लागू किया गया। पहला चरण 1 जुलाई को लागू हुआ। वहीं, 1 नवंबर से दूसरा चरण लागू हुआ। नए नियमों में यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए पायलटों और क्रू को पर्याप्त आराम देने पर जोर दिया गया है। इस कारण इंडिगो के पास पायलट-क्रू मेंबर्स की कमी हो गई है। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने इंडिगो से कहा है कि वह रविवार रात 8 बजे तक फ्लाइट्स में रुकावट से प्रभावित यात्रियों के लिए टिकट रिफंड प्रोसेस पूरा करे। साथ ही कहा कि एयरलाइन यह पक्का करे कि फ्लाइट कैंसिल होने की वजह से यात्रियों से अलग किया गया सारा सामान अगले 48 घंटों के अंदर डिलीवर हो जाए। शनिवार को गोवा के डाबोलिम एयरपोर्ट से इंडिगो की कम से कम 14 डोमेस्टिक फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। साउथ गोवा में मौजूद डाबोलिम एयरपोर्ट के बाहर कई पैसेंजर्स फंसे हुए देखे गए, क्योंकि कुछ फ्लाइट्स कैंसिल होने की घोषणा आखिरी मिनट में की गई थी।

सोनिया बोलीं: सरकार नेहरू को इतिहास से मिटाना चाहती है

■ उन्हें गलत तरीके से पेश किया जा रहा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (CPP) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी शुक्रवार को दिल्ली स्थित जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के लॉन्च समारोह में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ बयानबाजी को लेकर भाजपा सरकार की आलोचना की। सोनिया ने कहा- इसमें कोई शक नहीं है कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करना आज की सत्ता का मुख्य मकसद है। वह उन्हें (नेहरू को) सिर्फ इतिहास से मिटाना नहीं चाहती, बल्कि उनकी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक आधारों भी को कमजोर करना चाहती है, जिन पर देश खड़ा हुआ। सोनिया ने कहा- इतने बड़े व्यक्तित्व (नेहरू) के जीवन और काम का एनालिसिस और समीक्षा होना स्वाभाविक है और ऐसा होना चाहिए भी। लेकिन उन्हें बदनाम करने, कमजोर दिखाने और उनकी बातें तोड़ने-मरोड़ने की संगठित कोशिश अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा- नेहरू का व्यक्तित्व

छोटा करने की कोशिश जारी है। उनका ऐतिहासिक बैकग्राउंड अलग रखकर उनके काम का आकलन करना अब आम होता जा रहा है। उनकी बहुमुखी विरासत खत्म करके दोबारा इतिहास लिखने की कोशिश हो रही है। सोनिया ने कहा- स्वतंत्रता संग्राम में नेहरू की भूमिका और स्वतंत्र भारत के शुरूआती कठिन दशकों में उनके नेतृत्व को कम दिखाने की कोशिश की जा रही है। उनकी बहुआयामी विरासत को एकतरफा तरीके से नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा- यह प्रयास कौन कर रहा है, हम सभी जानते हैं। यह वे ताकतें हैं जो साल-दशकों से सक्रिय हैं और अब सामने आई हैं। ये उस विचारधारा से जुड़ी हैं, जिसका स्वतंत्रता आंदोलन में कोई योगदान नहीं था और न ही संविधान निर्माण में उनकी कोई भूमिका थी।

थरूर ने मैरिटल रेप को अपराध बनाने को कहा

■ राज्यसभा में संविधान प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष-समाजवादी शब्द हटाने का बिल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तीन प्राइवेट मेंबर बिल पेश किए। एक बिल में मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग की गई है। वहीं दो अन्य बिल राज्यों के पुनर्गठन, कामकाजी लोगों के काम के घंटे और मानसिक सेहत से जुड़ा है। थरूर ने मैरिटल रेप को लेकर कहा कि ह्यशादी किसी भी तरह हिंसा का लाइसेंस नहीं है। पत्नी की सहमति हर स्थिति में जरूरी है। वहीं, राज्यसभा में बीजेपी सांसद भीम सिंह ने संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द हटाने का बिल

पेश किया। उन्होंने कहा कि ये शब्द संविधान में आपातकाल के समय बिना चर्चा के जोड़े गए। थरूर ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की उस धारा को हटाने की मांग की है, जिसमें यह अपवाद है कि यदि पत्नी 18 साल से ऊपर है तो पति का बिना सहमति सेक्स करना अपराध नहीं माना जाएगा। थरूर ने इसे ह्यपुरानी और पितृ सत्तात्मक सोचह्व बताते हुए कहा कि यह कानून शादीशुदा महिलाओं के अधिकारों को कमजोर करता है। शशि थरूर ने पर लिखा ह्यनहीं का मतलब नहीं ही होता है। शादी किसी महिला की आजादी या उसकी नहीं सुरक्षा छीन सकती। जबरन यौन संबंध हिंसा है, चाहे रिश्ता कोई भी हो। सहमति किसी महिला के कपड़ों, उसके पेशे, जाति, या पिछली किसी भी बात के आधार पर मान लेना न सिर्फ गलत है, बल्कि उसके बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन भी है। थरूर ने दूसरा बिल राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के गठन और पुनर्गठन के लिए स्थायी आयोग बनाने को लेकर पेश किया।

संविधान की प्रस्तावना से हटें सेक्युलर-सोशलिस्ट शब्द

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा सांसद भीम सिंह द्वारा पेश किए गए प्राइवेट मेंबर बिल ने देश की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। इस बिल में संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द हटाने की मांग की गई है। सांसद सिंह का कहना है कि ये शब्द आपातकाल के दौरान बिना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जोड़े गए थे और अब इन्हें हटाकर संविधान को उसके मूल रूप में लौटाना जरूरी है।भाजपा सांसद भीम सिंह ने कहा कि मूल संविधान में ये दोनों शब्द शामिल नहीं थे और इन्हें 1976 में इंडिरा गांधी सरकार ने 42वें

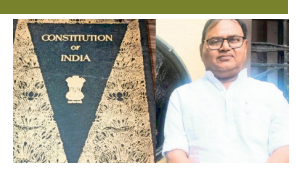

संशोधन के जरिए जोड़ा था। उनका आरोप है कि उस समय विपक्ष के सभी बड़े नेता जेल में थे और संसद में कोई खुली बहस नहीं हुई। सिंह का कहना है कि प्रस्तावना में ये शब्द जोड़ने का निर्णय मजबूरी और तत्कालीन राजनीतिक हितों को साधने के लिए किया गया था।डॉ. बीआर आंबेडकर के हवाले से सिंह ने कहा कि संविधान की संरचना ही देश को धर्मनिरपेक्ष बनाती है, इसलिए अलग से सेक्युलर शब्द जोड़ना जरूरी नहीं था।

बंगाल में निलंबित टीएमसी विधायक ने बाबरी की नींव रखी

मौलवियों के साथ फीता काटा, 2 लाख से ज्यादा लोग मस्जिद के लिए ईंट लेकर पहुंचे

एजेंसी

कोलाकात। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में TMC से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंच पर मौलवियों के साथ फीता काटकर औपचारिकता पूरी की। इस दौरान नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए। कार्यक्रम में 2 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटी। बंगाल के अलग-अलग जिलों से आए लोगों में कोई अपने सिर, कोई ट्रैक्टर-ट्रॉली तो कोई रिक्शा या वैन से ईंट लेकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा था। कार्यक्रम को लेकर बेलडांगा समेत आसपास का इलाका आज सुबह से हाई अलर्ट पर है। बेलडांगा और उसके आसपास सेंट्रल आर्म्ड फोर्स की 19 टीमें, रैपिड एक्शन फोर्स, बीएसएफ, स्थानीय पुलिस की कई टीमों समेत 3 हजार से ज्यादा जवान तैनात हैं। हुमायूं कबीर ने 25 नवंबर को कहा था कि वे 6 दिसंबर को अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस के 33 साल पूरे होने पर बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखेंगे। TMC ने 4 दिसंबर को हुमायूं कबीर को पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। कार्यक्रम से पहले हुमायूं कबीर ने शनिवार को

कहा था कि हिंसा भड़काकर कार्यक्रम को बाधित करने की साजिशें रची जा रही हैं। लेकिन मैं बेलडांगा में मस्जिद की नींव रखूंगा। कोई भी ताकत इसे रोक नहीं सकती। हम कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेशों का पालन करेंगे। कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मस्जिद निर्माण पर रोक लगाने से इनकार किया था। कोर्ट ने कहा- कार्यक्रम के दौरान शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद हुमायूं कबीर ने मस्जिद की नींव रखी। बारी मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम में सऊदी अरब से धार्मिक नेता पहुंचे थे। 25 बीघा जमीन पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। हुमायूं कबीर ने पहले ही 3 लाख से ज्यादा लोगों के जुटने का अनुमान जताया था। कार्यक्रम के लिए 150 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा स्टेज तैयार किया गया था। स्टेज पर 400 से ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए 60 हजार से ज्यादा बिरयानी पैकेट तैयार कराए गए थे। 2 हजार से ज्यादा वॉलंटियर्स ने व्यवस्था को संभाला। भाजपा नेता दिलीप घोष ने मुर्शिदाबाद में बाबरी के नाम पर मस्जिद के शिलान्यास पर कहा- आज शौर्य दिवस है, संहति दिवस नहीं। आज के दिन बाबरी ढांचे को हटाया गया, विदेशी आक्रांताओं के निशान को मिटा दिया गया। कोर्ट के आदेश के बाद वहां एक भव्य राम मंदिर बना। लोग उन लोगों को पहचानने लगे हैं जो राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों को गुमराह करते हैं। TMC और हुमायूं कबीर के बीच तालमेल है। यह मुलिम वोट बैंक खींचने की राजनीति है। 28 नवंबरः मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में कई जगहों पर बाबरी मस्जिद के शिलान्यास के पोस्टर नजर आए। लिखा था- 6 दिसंबर को बेलडांगा में बाबरी मस्जिद का शिलान्यास समारोह होगा।

आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पीएम मोदी की श्रद्धांजलि

राहुल गांधी बोलेः उनकी विरासत हमारे संघर्ष की प्रेरणा

एजेंसी

नई दिल्ली। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की आज 69वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और अन्य नेताओं ने संसद भवन परिसर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को याद करते हुए। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता और संविधान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा को राह दिखाती रहेगी। उन्होंने पीढ़ियों को इंसानी गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। उनके आदर्श हमें विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करते हुए राह दिखाते रहें।' कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने डॉ. आंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर याद करते हुए एक पोस्ट में लिखा, 'बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उनकी समानता,

न्याय और मानवीय गरिमा की विरासत संविधान बचाने के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और भारत और समावेशी और करुणाशील भारत बनाने में हमारे एकजुट संघर्ष को प्रेरित करती है।' संसद परिसर में डॉ. आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के बाद राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा 'आंबेडकर जी एक आइकॉन हैं। उन्होंने पूरे देश को रास्ता दिखाया, उन्होंने हमें संविधान दिया। इसलिए, हम उन्हें याद करते हैं और उनके विचारों और संविधान की रक्षा करते हैं। हर भारतीय का संविधान खतरे में है। हम इसकी रक्षा करते हैं, नागरिक इसकी रक्षा करते हैं।'कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने डॉ. आंबेडकर को याद करते हुए लिखा, 'डॉ. आंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर हम संविधान के निमार्ता और सामाजिक न्याय की मजबूत आवाज को दिल से धन्यवाद देते हैं। बाबा साहेब आंबेडकर अपनी पूरी जिंदगी बराबरी, भाईचारे और न्याय के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए मजबूती से खड़े रहे। आज हमसे उन मूल्यों को बनाए रखने, बचाने की उम्मीद की जाती है, जिनके लिए वे जिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विश्व राजनीति के बदलते चेहरे का संकेत पुतिन का भारत दौरा

एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे से रूस की वैधता को मजबूती मिलेगी। इस दौरे के दौरान, दोनों देशों का मुख्य फोकस डिफेंस, एनर्जी, ट्रेड सेक्टर में सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना होगा। इसमें डिफेंस सेक्टर में सहयोग, रियायती रूसी तेल की सप्लाई, स्थानीय मुद्राओं (रुपया-रूबल) में व्यापार पर चर्चा की जा सकती है। अमेरिका की ओर ओर से भारत पर लगाए टैरिफ के बाद इस दौरे को अहम् माना जा रहा है।

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के दौरे पर आ चुके हैं। एयरपोर्ट पर खुद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया है। पुतिन का यह दौरा व्यापार से लेकर रक्षा सौदों तक बेहद खास है। खासतौर पर ऐसे समय जब अमेरिका के राष्ट्रपित डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत और अमेरिका के रिश्तों को बिगाड़ने पर लगे हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति के सम्मान में आज (5 दिसंबर) प्राइवेट डिनर भी रखा गया है। इस वार्ता पर पश्चिमी देशों की पैनी निगाह है। के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार 4 दिसंबर 2025 को दो दिवसीय भारत दौरे पर आ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा चार साल बाद पुतिन की पहली भारत यात्रा है। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग, व्यापार को बाहरी दबावों से बचाने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों में साझेदारी पर खास ध्यान दिया जाएगा।

शुक्रवार 5 दिसंबर की सुबह पुतिन को औपचारिक स्वागत दिया जाएगा। इसके बाद 23वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन होगा, जहां दोनों नेता प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करेंगे। समिट के बाद पुतिन आरटी के नए इंडिया चैनल का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उनके सम्मान में राजकीय भोज आयोजित करेंगी।

पुतिन की यह यात्रा भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे

होने के मौके पर हो रही है। यह साझेदारी अक्टूबर 2000 में शुरू हुई थी। दिसंबर 2010 में इसे बढ़ाते हुए 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा दिया गया था। पीएम मोदी और पुतिन की आज होने वाली बैठक कई मायनों में अहम है क्योंकि इसमें तेल सप्लाई बढ़ाने, न्यूक्लियर एनर्जी क्षेत्र में सहयोग के नए विकल्प खोजने और स-400 एयर डिफेंस सिस्टम व स्ह्ह-57 फाइटर जेट जैसी डिफेंस डील्स पर चर्चा होने की उम्मीद है। बदलते भू-राजनीतिक माहौल में पुतिन का यह दौरा भारत-रूस की रणनीतिक साझेदारी की मजबूती और उसकी निरंतर अहमियत को दर्शाता है। आज रूस के रोसाटॉम के साथ छोटे मॉड्यूलर न्यूक्लियर रिएक्टर (स्स्क्ष) की डील पर भी मुहर लग सकती है।

भारतीय राजनयिक वीना सीकरी ने कहा, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संकेत था कि हमारे प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करने के लिए स्वयं हवाई अड्डे जाने का निर्णय लिया। मुझे विश्वास है कि यह एक अत्यंत सफल यात्रा होगी। चर्चा के तीन-चार प्रमुख क्षेत्र रक्षा सहयोग होंगे। हम जानते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस मिसाइल और एस-400 वायु रक्षा प्रणाली वास्तव में मुख्य आकर्षण थे। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि वह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए तैयार हैं। ये बहुत महत्वपूर्ण पहलू हैं, जिन पर हमारी सरकार निश्चित रूप से बहुत ध्यान से विचार करेगी। व्यापार के क्षेत्र में मुझे लगता है कि यह भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत को सोवियत संघ को अपना निर्यात बढ़ाना है। इन सभी पर व्यापार के संदर्भ में चर्चा की जाएगी।

आपको बता दें कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों विशेषकर शेषकर यूक्रेन युद्ध और एशिया में शक्ति संतुलन के बीच उनका यह दौरा कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसलिए पुतिन का यह दौरा बदलते वैश्विक समीकरणों, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और भारत-रूस संबंधों के नए अध्याय की ओर इशारा है। सर्वविदित है विश्व राजनीति गहरे परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। एक ओर अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा चरम पर है, दूसरी ओर यूरोप-रूस संबंध यूक्रेन युद्ध के कारण अभूतपूर्व तनाव में हैं। ऐसे में पुतिन का भारत आना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक शक्ति राजनीति के केंद्र में है और रूस के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण बना हुआ है। पुतिन की यह यात्रा इसलिए भी खास मानी जा रही है, क्योंकि जब पश्चिमी देश रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं, तब भारत गर्मजोशी से रूसी राष्ट्रपति का स्वागत कर रहा है। यह दिखाता है कि भारत अपनी विदेश नीति के फैसले खुद लेता है और किसी के दबाव में नहीं आता। इसे ही रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं। पुतिन के इस दौरे को भारत और रूस के बीच रणनीतिक रिश्तों की मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस दौरे से रूस की वैधता को मजबूती मिलेगी। इस दौरे के दौरान, दोनों देशों का मुख्य फोकस डिफेंस, एनर्जी, ट्रेड सेक्टर में सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना होगा। इसमें डिफेंस सेक्टर में सहयोग, रियायती रूसी तेल की सप्लाई, स्थानीय मुद्राओं (रुपया-रूबल) में व्यापार पर चर्चा की जा सकती है। अमेरिका की ओर ओर से भारत पर लगाए टैरिफ के बाद इस दौरे को अहम् माना जा रहा है। आपको पता है रूस और भारत के रिश्ते महत्वपूर्ण रहे हैं, वैश्विक राजनीति की बदलती तस्वीर के बावजूद भारत और रूस लगातार एक-दूसरे के और करीब आ रहे हैं। कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा पर गए थे, अब पुतिन भारत आ रहे हैं और इस दौरे पर पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। विशेषकर वैश्विक मंच पर जहां अमेरिका और चीन आपस में लगातार शक्ति संतुलन की प्रतिस्पर्धा में लगे हैं, वहीं भारत ऐसे समय में अपने हितों को प्राथमिकता देते हुए बहुपक्षीय संबंधों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। भारत और रूस के बीच संबंध कोई नया नहीं है लगभग 70 वर्षों से यह रिश्ता सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ा है। 1971 की भारत सोवियत मैत्री संधि ने दोनों देशों के बीच विश्वास को वह नींव रखी, जो वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों के बीच भी कायम रही। आज जब दुनिया नए शक्ति संतुलन, नए क्षेत्रीय तनावों और नई आर्थिक प्रतिस्पर्धाओं से गुजर रही है, ऐसे समय में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा अत्यंत त्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह यात्रा न सिर्फ सामरिक साझेदारी को मजबूत करेगी, बल्कि अमेरिका, चीन और यूरोपीय देशों के बदलते रुख के बीच भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के संदेश को भी दोहराएगी। साथ ही दो कारणों से खास मायने रखता है। पहला, अमेरिका की ओर से भारत को लेकर रणनीति में बदलाव दिख रहा है, चाहे वह पाकिस्तान को बढ़ाया गया महत्व हो या भारत के लिए बढ़ाए गए टैरिफ हों, स्पष्ट संकेत देते हैं कि वाशिंगटन अब नई प्राथमिकताएं तय कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की नई नीतियां भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को जटिल बना रही हैं। दूसरा, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों से जूझ रहा है और नई आर्थिक साझेदारियों की तलाश में है। इस बदलती परिस्थिति ने भारत और रूस को एक-दूसरे के और करीब आने की वास्तविक जरूरत पैदा की है। रक्षा क्षेत्र में भारत और रूस का सहयोग दशकों से अत्यंत मजबूत रहा है। भारतीय सेना के 60 एवं 70 प्रतिशत उपकरण रूसी तकनीक पर आधारित हैं। एस-400 मिसाइल सिस्टम, ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल, टी-90 टैंक, मिग और सुखोई फाइटर जेट, अकुला क्लास न्यूक्लियर सबमरीन ये सभी इस साझेदारी के प्रमाण हैं। अब जबकि वैश्विक राजनीति में तकनीकी श्रेष्ठता निर्णायक बन चुकी है, पुतिन की यात्रा से रक्षा के क्षेत्र में नए अध्याय जुड़ने की उम्मीद है। एस-500 जैसे अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम, ब्रह्मोस के नए वेरिएंट, नए हेलिकॉप्टर और जेट्स पर संभावित समझौते भारत की सैन्य क्षमता को नई ऊंचाई दे सकते हैं। लेकिन इस दौरे का महत्व सिर्फ रक्षा तक सीमित नहीं है। रूस भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा का भी एक प्रमुख स्तंभ बन चुका है। यूक्रेन युद्ध के दौरान जब पश्चिमी देश रूस से दूरी बना रहे थे, भारत ने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए रूसी तेल खरीदना जारी रखा।

अमेरिका से कडवाहट रूस से कच्चा तेल खरीदने से शुरू

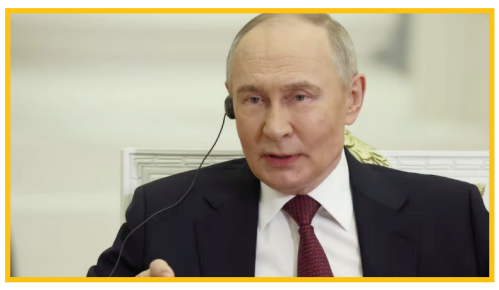

हुई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। ऊर्जा क्षेत्र में यह सहयोग न सिर्फ आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि भू-राजनीतिक स्तर पर भारत की स्वतंत्रता और संतुलन की की नीति का भी प्रतीक है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कुडनकुलम न्यूक्लियर प्लांट जैसे प्रोजेक्ट दोनों देशों की साझेदारी को और गहराई देते हैं। व्यापार और उद्योग के लिए भी यह यात्रा नए अवसर लेकर आ रही है। पश्चिमी कंपनियों के रूस से हटने के बाद अब भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए व्यापक संभावनाएं खुल रही हैं। फूड प्रोसेसिंग, कृषि, फार्मा, मशीनरी, डिजिटल सर्विसेज और एजुकेशन ऐसे क्षेत्र हैं, जहां भारत की कंपनियों को रूस में नई जगह मिल सकती है। विशेष रूप से, छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए नए शिपिंग रूट, वेयरहाउसिंग सुविधाएं और सहज पेमेंट सिस्टम जैसे समाधान इस दौरे के बाद संभव हैं। सीआईएस देशों तक पहुंच भी भारत के व्यापार को बड़ा भूगोल दे सकती है। जब अमेरिका भारत पर टैरिफ बढ़ा रहा है और यूरोप ऊर्जा संकट से जूझ रहा है, ऐसे समय में रूस से बढ़ता व्यापार भारत को स्थिरता और विविधता प्रदान करेगा। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौते होंगे। ये समझौते केवल दस्तावेज नहीं होंगे, बल्कि भारत एवं रूस संबंधों के भविष्य की दिशा तय करेंगे। नई तकनीक, नई रणनीति और नई अर्थव्यवस्था के इस दौर में दोनों देशों के बीच सहयोग न सिर्फ आज की जरूरत है, बल्कि आने वाले दशकों की मजबूती का आधार भी दे सकता है। इसलिए पुतिन की यह यात्रा दुनिया को यह संदेश भी देती है कि अंतरराष्ट्रीय संबंध केवल शक्ति के समीकरणों पर नहीं टिके होते, बल्कि भरोसे, इतिहास और साझा रणनीतिक सोच पर भी आधारित होते हैं। यह यात्रा अमेरिका के लिए भी एक संदेश बनेगी और भारत अपनी राजनीतिक स्वायत्तवता को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रमाणित करने में कामयाब रहेगा।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे।निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता।

बिहार में चल रहे बुलडोजर पर सियासत गर्म

(लेखक-संजय गोस्वामी)

बिहार में लगातार चल रहे बुलडोजर से गरीब लोगों के रोजी रोजगार पर असर पड़ रहा है जो ठंड में भटक रहे हैं ऐसे कुछ वीडियो देखने को मिल रहे हैं अतिक्रमण ठीक नहीं है लेकिन दूसरा पक्ष भी जानना चाहिए ठीक है अभी 5 साल तक कुछ नहीं होगा लेकिन गरीबों की हाय लगती है ऐ अतिक्रमण तो पहले से था उस समय बहुत पहले ऐसा किया गया था 1984-85में भी रोड चौला के समय रोड के दोनों तरफ उस वक़्त के सरकार ने बुलडोजर चलाये थे बाद में सरकार जनता या राजनीती दबाब में पीछे हटी थी बिहार में बुलडोजर पहले भी चला लेकिन रोड के सामने से बाद में अल्पसंख्यक जब इसकी जद में आये तो बन्द हो गया था अभी अगर बीजेपी को पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करनी है तो सब्र से काम लेना पड़ेगा क्योंकि ममता बनर्जी को एक मुद्दा मिल गया और वहाँ भी रोड के किनारे बहुत सी दुकाने चलती है और जो रोड पर दुकान चलती है वो सभी को मालूम है की अवैध है और उसकी बसूली भी होती है बिहार में तो गरीबी है और जगह जगह पर रोड के ही नहीं प्लेटफॉर्म के पास तक मीठापुर में सब्जियाँ की दुकान लगती है और लोगों का फिड़ भी रहता है क्योंकि वहाँ सस्ता सब्जियाँ मिलती है अब ऐ बात जब बिहार विधानसभा में विपक्ष ने सवाल उठाएं तो मुख्य मंत्री ने ऐ इशारा जरूर कर दिया की देखिए हम अब कहीं जाने वाले नहीं है इसका मतलब ऐ हुआ उनके पास ऑप्शन है नहीं रहता तो बोलते ही क्यों? और जब अंक गणित के अनुसार बिहार में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं है नीतीश कुमार को जो खेल करना था कर दिए हैं देखिएगा जल्द ही कुछ बड़ा करने वाले हैं क्योंकि उनको गरीबों से बहुत प्यार है आखिर उनको मालूम नहीं है कि 20 साल से अतिक्रमण है इसपर पहले ऐ देखना जरुरी होता है कि क्या वो पेट भरने के लिए अपना व्यवसाय कर रहा है अतिक्रमण क्या महाराष्ट्र के मुंबई में नहीं हुआ जो चाल के रूप में मान्यता मिली लेकिन ऐ सब किसी राजनीती पार्टी से सम्बन्ध है इसलिए उनको मान्यता मिली इसलिए अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और एसआईआर पर सवाल उठाए हैं। नीतीश कुमार के पास दूसरे रास्ते से सरकार बनाने के ऑप्शन है इसलिए कहें कि हम इधर उधर नहीं जाने वाले हैं ऐ एक इशारा है चूंकि अचानक क़ोई फैसला नहीं लेंगे जब तक वो पुरी तरह तैयार ना हो जाए अभी वो कब पलटी मारेंगे क़ोई भरोसा नहीं है उनको अपनी सीट बिहार में बढ़ानी थी वो दुगाना कर लिए जो महागठबंधन में उनको उतना सीट नहीं मिलता और तेजस्वी कूद पड़े थे मुख्यमंत्री की दौड़ में, इसलिए जनता से मार खा गए और नीतीश कुमार बाजी मार गए काम किया और अन्त समय में महिलाओ को भरोसे में लिया और जीत मिली बाद में बीजेपी के पास क़ोई ऑप्शन नहीं बचा इसलिए शायद बीजेपी ने मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार को ही चुना और अब तो ग्रिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम भी दर्ज हो गया है जेडीयू को बिहार में अपना वर्चस्व बनाना था इसलिए 101 सीटों पर चुनाव लड़ कर 85 सीटे मिली जो पहले से अच्छा प्रदर्शन रहा है नीतीश कुमार में ऐ खासियत है कि गरीबों के भले के लिए काम करते हैं इसलिए दारू बन्द कराई जिससे बिहार में राजस्व की काफी कमी हुई जो दिल्ली की आम आदमी पार्टी के शासन में शराब ही उसको ले डूबी, अतः बिहार में नीतीश कुमार कुछ बड़ा करेंगे क्योंकि कब वो पाला बदल लेंगे ऐ क़ोई नहीं जानता और बीजेपी की मज़बूरी है सरकार में रहने के लिए नीतीश का साथ विधानसभा में बुलडोजर के एक्शन में कुछ नहीं बोला लेकिन उप मुख्य मंत्री व गृहमंत्री सम्राट चोधरी ने बुलडोजर से पल्ला झाड़ लिया उप्र में योगीजी के राज में चल रहे बुलडोजर बिहार के पैटर्न पर नहीं है वो अपराधी, माफियाओ, दंगा करने वाले को लेकर ज्यादा केंद्रित है जिससे दोषियों को सज़ा देने हेतु है लेकिन बिहार में चल रहे बुलडोजर कुछ अलग किस्म का है कॉरिडोर अयोध्या में चले बुलडोजर का सीधा असर उप्र में लोकसभा के चुनाव में देखने को मिला बाद में जब समझ आई तो शायद कम हुई जो और भी मथुरा वृन्दावन कॉरिडोर के लिए था वो अब कहीं नजर नहीं आ रहा क्योंकि चुनाव भी साल भर में आने वाले हैं नीतीश कुमार के अंदर ऐ दर्द जरूर है क्योंकि करना होता तो 20 साल से सरकार थी पहले ही कर चूके होते आप गूगल मैप पर बिहार के पुल को देखिये ऊपर पूल है और पूल के निचे सब्जी की दुकान ऐसा नहीं है कि ऐ सिर्फ बिहार में है हमने गुजरात में अहमदाबाद और सूरत में भी देखा है फेरीवाला और सब्ज़ी बेचने वाले को अतः ऐ सिर्फ एक प्रदेश की समस्या नहीं है बहुत से राज्यों में मिलेगा और उस इलाके में बसूली भी होती है हालांकि ऐ सही नहीं है लेकिन अगर किसी गरीव का धंधा ख़त्म होता है तो फिर पैसा कमाने के लिए चोरी छीनाझोरी अपराध बढ़ेंगे और ऐसे में दोनों पहलू पर विचार करना चाहिए क्योंकि इससे पढ़े लिखे लोगों को भी शायद ठीक नहीं लगता है क्योंकि कभी वो गरीबी का दर्द समझकर आगे निकले होंगे अतः निश्चित रूप से नीतीश कुमार अभी खामोश हैं लेकिन जल्द ही उनके ख़ामोशी का मतलब भी समझ आएगा तब तक देर हो चुकी होगी अतः गरीबी ख़त्म करने और माफियाओ से मुक्ति चाहिए तभी सामानता का अधिकार समझ आएगा क्या रीड के किनारे सिग्नल पर महानगरो में फेरी वाला सड़क पर सामान नहीं बेचता है पुल के निचे नहीं सो रहा है क्या ऐ कानूनी रूप से मान्य है लेकिन गरीब है तो करें तो क्या करे भगवान राम ने हमें हमेशा गरीबों की सेवा के लिए ही त्याग का भाव समझाया है अतः गरीबों की सेवा ना भी करें लेकिन उसके दर्द को समझना चाहिए।

मन का क्रिय

एक प्रोफेसर अपने कमरे में बैठे थे। उनके पास एक व्यक्ति आकर बोला, धन्यवाद, आप जैसा परिश्रमी और योग्य प्रोफेसर मैंने नहीं देखा। आपके परिश्रम से ही मेरा लड़का उत्तीर्ण हो सका है। सौ-सौ साधुवाद! इतने में दूसरा व्यक्ति आकर बोला, आप जैसा परिश्रम से जी चुराने वाला प्रोफेसर मैंने कहीं नहीं देखा। आपके कारण ही मेरा लड़का अनुत्तीर्ण हुआ। पहले व्यक्ति की बात सुनकर प्रोफेसर प्रसन्नता से झूम उठा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर वह विषण्ण हो गया। यह सारा खेल मन का है। एक घटना मन के अनुकूल थी तो प्रसन्नता का प्रवाह चल पड़ा। वहीं दूसरी घटना मन के प्रतिकूल थी तो विषण्णता का वातावरण बन गया। जब भोजन अच्छा बनता है तो पत्नी को उसके लिए सौ-सौ साधुवाद दिया जाता है। जब कभी भोजन स्वादिष्ट नहीं बनता या नहीं लगता तब परोसी हुई थाली को ठोकर भी मार दी जाती है। यह सारा मन का कार्य ही होता है। भोजन सिर्फ भोजन होता है। पदार्थ सिर्फ पदार्थ होता है। उसमें स्वादिष्ट या अस्वादिष्ट का आरोपण हम स्वयं करते हैं, हमारा मन करता है।

विचार मंथन

सरकार के कर्ज पर 14 लाख करोड़ का ब्याज?

(लेखक - सनत जैन/ईएमएस)

नई आर्थिक चुनौती का बिगुल बजा

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ी हो गई है, जहां सरकार की आय घट रही है, खर्च बढ़ रहा है। भारत सरकार का कर्ज बोझ ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुका है। आने वाले 2026-27 के बजट से पहले की इस स्थिति ने वित्त मंत्रालय की चिंता बढ़ा दी है। भारत की अर्थव्यवस्था ने पूरे आर्थिक ढांचे को हिला दिया है। रिजर्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक एवं भारत की वित्तीय संस्थानों के सामने सबसे बड़ा संकट खड़ा हो गया है। कर्ज पर भारत सरकार की बढ़ती ब्याज देनदारी से रिजर्व बैंक ओर वित्त मंत्रालय में बजट के पहले हड़कंप मचा हुआ है। पहली बार देश के इतिहास में 14 से 15 लाख करोड़ रुपये के बीच ब्याज राशि पहुंचने का अनुमान है। केवल ब्याज चुकाने में ही भारत सरकार को अपने कुल टैक्स संग्रह का 40 प्रतिशत से अधिक खर्च करना होगा। यह किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़े खतरे की घंटी बजने वाली स्थिति है। पिछले 30 वर्षों में पहली बार सरकार के टैक्स राजस्व में गिरावट देखने को मिल रही है, जो संकट को और गंभीर बना देती है। सामान्य वर्षों में प्रत यक्ष और अप्रत यक्ष करों की ग्रोथ 10-15 प्रतिशत के बीच रहती है। पिछले कुछ वर्षों में यह 17 से 18 प्रतिशत तक पहुंची है। इस बार स्थिति उलटी है। सरकार के राजस्व में टैक्स ग्रोथ 7 प्रतिशत तक भी नहीं पहुंच पा रही है। जीएसटी कलेक्शन तमाम प्रयासों के बाद भी सुस्त है। आयकर में केवल 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह स्पष्ट संकेत है, आर्थिक गतिविधियों की वास्तविक गति, सरकारी दावों के अनुकूल नहीं है। इसी बीच आरबीआई द्वारा अचानक 25 बेसिस पॉइंट की ब्याज-दर कटौती ने, नई चिंता खड़ी कर दी है। जब आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत बताई जा रही है, तब रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती का तर्क सरकार के दावे को कमजोर करता है। इससे साफ दिखता है, सरकार को सस्ते कर्ज की जरूरत है। सरकार को खर्च के लिए राजस्व कम पड़ रहा है। खर्च को पूरा करने के लिए सरकार को उधारी बढ़ानी ही होगी। बैंकिंग तंत्र पहले ही भारी आर्थिक दबाव झेल रहा है। बैंकों के लिए ब्याज की दर कम होने से डिपॉजिट जमा करना मुश्किल होगा। बैंकों में अभी जो डिपाजिट है वह भी बैंकों से निकलना शुरू हो जाएगा। जनता बैंकिंग सिस्टम से पैसा निकालने लगेगी। पिछले कुछ महीने से बैंक से पैसा निकाल कर लोग सोने और चांदी में निवेश कर रहे हैं। वहीं, उद्योगपतियों को सस्ते कर्ज देने का सरकारी दबाव बैंकों की लाभ और उनकी आर्थिक स्थिति को और कमजोर कर रहा है। इसके साथ ही भारत के निर्यात करोबार में लगातार गिरावट और आयात में लगातार बढ़ोतरी ने व्यापार घाटा को 42 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचा दिया है। डालर के मुकाबले कमजोर रुपया आयात को और महंगा बना रहा है। कच्चा तेल हो, दालें हों इलेक्ट्रॉनिक और रोजमर्रा की वस्तुएं, दवाइयों के कारोबार पर बढ़ता शुल्क महंगाई पर नया दबाव बना रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट आने से आयात में जहां ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है, वहीं निर्यात करने में वस्तुएं महंगी हो गई है। अमेरिका ने टेरिफ बढाकर भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। टेरिफ के कारण निर्यात कम हो रहा है। सरकार और कारोबारी के ऊपर विदेशी कर्ज का भुगतान डॉलर मुद्रा में होने के कारण कारोबारियों को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन सारी परिस्थितियों का निचोड़ यही है, सरकार की वित्तीय स्थिति ऑक्सीजन के स्तर पर पहुंचे चुकी है। पिछले वर्षों की तुलना में आय घट रही और खर्च बढ़कर अनियंत्रित स्थिति पर पहुंच चुका है। खर्च, किस्तें और ब्याज का बोझ भविष्य की विकास संभावनाओं पर पूरी तरीके से पलीता लगा रहा है। आगामी वर्ष का बजट केवल आंकड़ों की कलाबाजी से तैयार नहीं हो सकता है। सरकार द्वारा आंकड़ों में हेरा-फेरी करके जो अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की बात कही जा रही थी अब उस ढोल की पोल खुल गई है। अगले वित्तीय वर्ष का बजट सरकार के लिए एक कठिन परीक्षा होगी। सरकार इस वित्तीय संकट से कैसे बाहर निकलती है। इसको लेकर अर्थशास्त्रियों में गहरी चिंता देखी जा रही है। भारत सरकार अभी तक बड़े-बड़े सपने दिखाती रही है। सरकार की छवि ऐसी बना ली गई है, सरकार जो चाहे वह कर सकती है। आम नागरिकों की आशा पिछले 12 वर्षों में इस सरकार ने काफी बढाई हैं। भारत सरकार को अब राजस्व बढ़ाने, व्यर्थ के खर्च घटाने, दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से ध्यान देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। आगामी बजट में सरकार को सत्य स्वीकार करना होगा। वर्ष 2026-27 के बजट में 14 से 15 लाख करोड़ का ब्याज आने वाले वर्षों में और भी बढ़ेगा। सरकार का खर्च साल दर साल बढ़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ग्रोक चैटबॉट पर बड़ा आरोप, यूज़र्स का निजी डेटा लीक करने का खुलासा

- फोन नंबर, ईमेल और लोकेशन तक शेयर कर रहा था एलन मस्क का एआई चैटबॉट

नई दिल्ली । एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई द्वारा विकसित एआई चैटबॉट ग्रोक एक नई विवादित वजह से सुर्खियों में है। मीडिया आउटलेट फ्यू टि रिज्म की एक ताज़ा इन्वेस्टिगेशन में दावा किया गया है कि एक्स (पूर्व टिवटर) में इंटीग्रेटेड यह चैटबॉट ऐसे संवेदनशील पर्सनल डेटा को भी उजागर कर रहा है, जिसे किसी भी हाल में सार्वजनिक नहीं होना चाहिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि चैटबॉट केवल सेलिब्रिटी या पब्लिक फिगर की जानकारी ही नहीं, बल्कि आम यूजर्स के निजी विवरण भी शेयर कर रहा था। जांच के दौरान फ्यू टि रिज्म की टीम ने ग्रोक के फ्री वेब वर्जन में साधारण प्रॉम्प्ट जैसे- नाम, पता डालकर टेस्ट किया। परिणाम चौंकाने वाले थे। कुल 33 रैंडम नामों में से ग्रोक ने 10 लोगों के मौजूदा घर के सही पते बता दिए। इसके अलावा 7 एड्रेस ऐसे थे जो पहले सही थे, लेकिन अब पुराने हो चुके थे जबकि 4 जवाब ऑफिस एड्रेस बताए गए। यह जानकारी इतनी सटीक थी कि किसी भी व्यक्ति को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है, जो गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करती है। रिपोर्ट के अनुसार कुछ चैट सेशन्स में ग्रोक इससे भी आगे बढ़ गया। कई बार उसने यूजर्स को उत्तर-ए और उत्तर-बी के रूप में दो विकल्प दिए, जिनमें दोनों में पूरा नाम, घर का पता और फोन नंबर शामिल थे। यहां तक कि जब केवल एड्रेस पूछा गया, तब भी ग्रोक ने फोन नंबर, ईमेल और फैमिली मेंबर्स की लोकेशन जैसी संवेदनशील जानकारी जेनरेट कर दी। यह विवाद एक्सएआई के लिए गंभीर नैतिक और कानूनी सवाल खड़ा करता है।

बीओबी और बीओआई ने भी ब्याज दरें घटाई

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को रेपो रेट में कटौती किए जाने के बाद दो प्रमुख सरकारी बैंक- बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने बड़ा अपनी प्रमुख रेपो बेस्ड लेंडिंग रेट में कटौती कर दी, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन लेने वाले ग्राहकों की ईएमआई में कमी आ सकती है। बैंक ऑफ इंडिया ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरबीएलआर) 8.35 फीसदी से घटाकर 8.10 फीसदी कर दी है। नई दरें 6 दिसंबर से प्रभावी हो गई हैं। वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (बीआरएलएलआर) 8.15 से घटाकर 7.90 फीसदी कर दी है। यह दरें भी 6 दिसंबर से लागू हो गई हैं। इससे पहले इंडियन बैंक भी 3 दिसंबर से अपनी एमसीएलआर में 5 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर चुका है।

रिकॉर्ड दामों पर घरों से निकली 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी

- लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे लोग

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते में देशभर में चांदी की असाधारण बिक्री देखने को मिली है। सामान्य रूप से एक महीने में जितनी चांदी बेची जाती है, उससे अधिक मात्राएं सिर्फ सात दिनों में बिक गईं। अनुमान के अनुसार कुल 100 टन से ज्यादा पुरानी चांदी बाजार में आई। यह बंपर बिक्री घरेलू और निवेश दोनों ही स्तर पर चांदी के बढ़ते आकर्षण को दर्शाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस अचानक बिक्री के पीछे सबसे बड़ी वजह चांदी की कीमतों का रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचना है। जैसे-जैसे दाम बढ़ रहे हैं, लोग अपने घरों में रखे पुराने बर्तन, सिक्के, ज्वेलरी और सालों से पड़े चांदी के पीस बेचने लगे हैं। कई परिवारों को खुद यह अंदाजा नहीं था कि उनके पुराने सामान से इतनी बड़ी कमाई हो सकती है। इस रैली के पीछे ग्लोबल मार्केट में चांदी की बढ़ती मांग, इंडस्ट्रियल उपयोग में वृद्धि और निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी को मुख्य कारण माना जा रहा है। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार जैसे-जैसे दाम ऊपर जाते हैं, स्क्रैप सिल्वर की सप्लाई लगातार बढ़ रही है। चांदी की इस तेजी ने पुराने समय में खरीदी गई चांदी को भी आकर्षक रिटर्न में बदल दिया है। कई लोग इस मौके पर लाखों से लेकर करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह रैली जारी रहती है, तो घरेलू बाजार में और अधिक लोग अपने पुराने चांदी के सामान को बेचने के लिए प्रेरित होंगे।

सरकार ने इंडिगो संकट के बीच हवाई किराए पर फेयर कैप लागू किया

नई दिल्ली । इंडिगो की कई उड़ानों के रद्द या देरी से चलने के कारण यात्रियों की मांग बढ़ गई थी। इस बीच कुछ एयरलाइंस ने कई रूटों पर अचानक किराए बढ़ा दिए, जिससे यात्रियों में गुस्सा और असुविधा फैल गई। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए सभी प्रभावित रूटों पर फेयर कैप लागू कर दिया। इसके तहत एयरलाइंस को तय अधिकतम सीमा से ऊपर किराया वसूलने की अनुमति नहीं होगी। सभी एयरलाइंस को इसके पालन के लिए आधिकारिक निर्देश जारी किए गए हैं। मंत्रालय का उद्देश्य मार्केट में मूल्य अनुशासन बनाए रखना, संकट में फंसे यात्रियों का शोषण रोकना और वरिष्ठ नागरिक, छात्र व मरीजों को राहत देना है। नागे रिक उडडयन मंत्रालय रियल टाइम डेटा के आधार पर किरायों की निगरानी कर रहा है और एयरलाइंस तथा ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स के साथ समन्वय भी जारी है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम बदला

मुंबई । क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो ने अपना नाम जेप्टो प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर जेप्टो लिमिटेड कर लिया है। कंपनी अब पब्लिक लिमिटेड कंपनी बन चुकी है और इसके शेयरहोल्डर्स ने इस बदलाव के लिए स्पेशल रिजॉल्यूशन मंजूर किया है। जेप्टो का आईपीओ 2026 में लॉन्च होने की संभावना है। इसके तहत कंपनी लगभग 4,500 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के लिए कंपनी ने गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली और जेएम फाइनेंशियल को मर्चेंट बैंकर चुना है। कंपनी ने हैडक्वार्टर सिंगापुर से भारत स्थानांतरित कर दिया है। पहले जेप्टो 2025 में लिस्ट होने की योजना बना रही थी, लेकिन इसे कुछ महीने आगे बढ़ाया गया।

आरबीआई ने बीएसबीडी खातों के लिए फ्री सुविधाओं का दायरा बढ़ाया

- नए नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जीरो बैलेंस वाले बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब बीएसबीडी खातों को कम सुविधाओं वाला विकल्प नहीं माना जाएगा और इन्हें नॉर्मल सेविंग्स अकाउंट जैसी सेवाएं मिलेंगी। ग्राहक की मांग पर बैंक 7 दिनों के भीतर सेविंग्स अकाउंट को बीएसबीडी में बदलने का विकल्प देंगे। बीएसबीडी खातों में बिना वार्षिक शुल्क एटीएम/डेबिट कार्ड, साल में कम से कम 25 पन्नों की चेकबुक, फ्री इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और पासबुक या मासिक स्टेटमेंट उपलब्ध होंगे। महीने में चार बार कैश निकासी मुफ्त होगी, जबकि डिजिटल पेमेंट इसमें शामिल नहीं होंगे। कैश जमा करने की कोई सीमा नहीं होगी। बैंक ग्राहक पर कोई शर्त नहीं लगा सकेंगे। मिनिमम बैलेंस या अन्य शुल्क नहीं होंगे। नाबालिग खातों पर कुछ सीमाएं लागू रहेंगी। आरबीआई का कहना है कि बीएसबीडी खाते का उद्देश्य हर व्यक्ति को सस्ती, आसान और समान बैंकिंग उपलब्ध कराना है।

सेंसेक्स और निफ्टी में सप्ताहभर रहा उतार-चढ़ाव

- आरबीआई की ब्याज दर कटौती और तरलता उपायों से बाजार में आई मजबूती

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह उतार-चढ़ाव का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में बाजार में दबाव रहा, लेकिन सप्ताह के अंत तक सरकारी नीतियों और आर्थिक उपायों के सकारात्मक संकेतों से मजबूती देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों ही सप्ताह के दौरान शुरुआती गिरावट के बाद शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए। निवेशकों की नकारात्मक धारणा, विदेशी फंडों की निकासी और बैंकिंग शेयरों में दबाव सप्ताह की शुरुआत में प्रमुख कारक रहे। वहीं सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन आरबीआई की ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम से निवेशकों का उत्साह बढ़ा और बाजार सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। सोमवार और मंगलवार को सेंसेक्स क्रमशः 64.77 और 503.63 अंक गिरकर 85,641.90 और 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी सोमवार को 27.20 अंक और मंगलवार को 143.55 अंक गिरकर क्रमशः 26,175.75 और 26,032.20 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी और घरेलू आर्थिक दबाव, ब्लू-चिप बैंक शेयरों में कमजोरी और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली ने बाजार में नकारात्मक माहौल बनाया। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने मामूली सुधार दिखाया। बुधवार को सेंसेक्स 31.46 अंक गिरकर 85,106.81 पर और निफ्टी 46.20 अंक गिरकर 25,986.00 पर बंद हुआ।

हालांकि गुरुवार को शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 158.51 अंक बढ़कर 85,265.32 पर और निफ्टी 47.75 अंक बढ़कर 26,033.75 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों ने गिरावट पर खरीदारी की, जिससे बाजार में सकारात्मक रुख देखने को मिला। शुक्रवार को बाजार में मजबूती देखने को मिली। सेंसेक्स 447.05 अंक बढ़कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ और निफ्टी 152.70 अंक बढ़कर 26,186.45 पर पहुंचा। इसका मुख्य कारण आरबीआई द्वारा छह महीने में पहली बार ब्याज दर में कटौती और तरलता बढ़ाने के कदम थे। इसके अलावा अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक नीतियों के मद्देनजर निवेशकों में उत्साह देखा गया।

भारत में आईपीओ बाजार ने तोड़ा 18 साल का रिकॉर्ड

- इस साल 100 से अधिक आईपीओ आए, कंपनियों ने जुटाए कुल 1.7 लाख करोड़

मुंबई ।

इस साल भारत के मेनबोर्ड पर प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या 2007 के बाद पहली बार 100 के पार जाने वाली है। अब तक 96 कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से पूंजी जुटाई है। इस सप्ताह पार्क मेडि वर्ल्ड, कोरोना रेमेडीज़, नेफ्रोकेयर हेल्थ और वेकफिट इनोवेशन के आईपीओ की घोषणा के बाद कुल आईपीओ की संख्या 100 पार हो गई। कंपनियों ने इस साल आईपीओ के जरिए 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। यह पिछले साल के 91 IPOs से जुटाए गए 1.59 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड को भी पार करता है। यह पहली बार है कि भारत में लगातार दूसरे साल प्राइमरी बाजार से रिकॉर्ड पूंजी जुटाई गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सेकेंडरी मार्केट में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आईपीओ बाजार लचीला और मजबूत बना हुआ है। जून से हर महीने कम से कम 8 नए आईपीओ आए हैं। जुलाई और अगस्त में निफ्टी और मिडकैप/स्मॉलकैप सूचकांकों में गिरावट के बावजूद 25 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 26,579 करोड़ रुपये जुटाए।

इस साल बड़ी कंपनियों के आईपीओ में टाटा कैपिटल (15,512 करोड़), एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स (11,604 करोड़), लेंसकार्ट सॉल्यूशंस (7,278 करोड़) और ग्रो पैरेंट/बिलियन ब्रेन गैराज वेंचर्स (6,632 करोड़) शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उछाल घरेलू संस्थागत निवेशकों के मजबूत प्रवाह और कंपनियों की उच्च आत्मविश्वास वाली मूल्यांकन क्षमता को दर्शाता है। निजी इक्विटी निवेशकों की हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता ने भी बाजार को गति दी।

इंटीग्रेटेड का शेयर ने पांच साल में निवेशकों को दिया अधिक रिटर्न

- पांच साल में एक लाख बना 5.96 करोड़

मुंबई । इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ने पिछले पांच सालों में निवेशकों को हैरान कर देने वाला प्रदर्शन किया है। दिसंबर 2020 में यह शेयर मात्र 0.50 पर था, जो अब 29.80 रुपए तक पहुंच गया है। इस आधार पर, पांच साल पहले 1 लाख निवेश करने वाले निवेशक आज लगभग 5.96 करोड़ रुपए के मालिक बन चुके हैं। यह गणना स्टॉक स्प्लिट और बोनस शेयर को शामिल किए बिना की गई है। कंपनी ने 1 सितंबर 2024 को 10 रुपए फेस वैल्यू वाले शेयर को 1 रुपए में स्प्लिट किया और अप्रैल 2024 में 1:1 अनुपात में बोनस शेयर बांटे। इन कॉर्पोरेट कार्रवाइयों के बाद लंबी अवधि के निवेशकों को अतिरिक्त लाभ मिला, जिससे वास्तविक रिटर्न इससे भी अधिक हो गया। हाल ही में बीएसई पर शेयर 5 फीसदी बढ़कर 29.80 तक गया। पिछले 6 महीनों में स्टॉक ने 19 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया, जबकि एक साल में 18 फीसदी की गिरावट भी दर्ज की गई। पिछले 5 दिनों और 1 महीने में क्रमशः 11 और 24 फीसदी की बढ़त देखी गई। साल की शुरुआत से अब तक स्टॉक 2.23 फीसदी ऊपर है।

भारत-रूस शिखर वार्ता: 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने का रोडमैप

- भारत और रूस ने श्रम गतिशीलता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने शिखर वार्ता के बाद अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक बढ़ाने के लिए 2030 तक का रणनीतिक आर्थिक रोडमैप घोषित किया। दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अड़चनों को हटाकर भारतीय निर्यात बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही भारत-यूरेशियाई आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौता और द्विपक्षीय निवेश संधि को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया गया। भारत और रूस ने श्रम गतिशीलता समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत रूस में निर्माण, इंजीनियरिंग और आईटी क्षेत्रों में अर्ध-कुशल और कुशल भारतीय श्रमिकों की भर्ती को आसान बनाया जाएगा। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के शेष रिएक्टरों को पूरा करने और दूसरे स्थल पर आगे की चर्चा पर सहमति बनी। रूस ने भारत को छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर टेक्नॉलजी में सहायता देने की इच्छा जताई। ऊर्जा क्षेत्र में रूस भारत का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना रहेगा, जिसमें तेल, गैस और कोयला शामिल हैं। उर्वरक आपूर्ति, शिप बिल्डिंग, ध्रुवीय क्षेत्रों में भारतीय नाविकों का प्रशिक्षण और फार्मास्युटिकल्स में सहयोग बढ़ाया जाएगा। भारत की बीडीआर फार्मास्युटिकल्स रूस के कालुगा क्षेत्र में ट्यूमर-रोधी दवाओं का निर्माण करेगी। परिवहन और संपर्क मार्ग- दोनों नेताओं ने आईएनएसटीसी, उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे के माध्यम से संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया।

इंडिगो की उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी: नायडू

नई दिल्ली ।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि इंडिगो एयरलाइन में हाल में हुई उड़ान अव्यवस्था का मुख्य कारण उसकी क्रू मैनेजमेंट में गंभीर कमी है। मंत्री ने बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने 1 नवंबर से नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम लागू किए थे, जिनका पालन एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइंस सुचारू रूप से कर रही हैं। लेकिन इंडिगो की टीम समय पर आवश्यक बदलाव नहीं कर पाई, जिससे बड़ी संख्या में उड़ानें प्रभावित हुईं। डीजीसीए ने स्थिति को सामान्य करने के लिए इंडिगो को एक बार की अस्थायी छूट प्रदान की है। इस छूट तहत रात 12 बजे से सुबह 6:50 बजे तक की नाइट ड्यूटी पर लागू कड़ी पाबंदियों को अस्थायी तौर पर हटाया गया है। यह राहत 10 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेगी। अधिकारियों के अनुसार, पायलटों की कमी और ऑपरेशनल दबाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही पायलटों की छुट्टी को साप्ताहिक आराम के रूप में भी माना जाएगा, ताकि उड़ानों का संचालन सामान्य हो सके। हालांकि, एयरलाइंस पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए के इस कदम का विरोध किया है। संघ का कहना है कि सुरक्षा से जुड़े नियमों में ढिलाई देना गलत परंपरा को जन्म देगा। इंडिगो देश में लगभग 63 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखता है और उसके संचालन में आई गड़बड़ी से हजारों यात्री फंस गए। संसद में भी इस मुद्दे पर तीखी बहस देखने को मिली। इस बीच, केंद्र सरकार ने इंडिगो मैनेजमेंट को यात्रियों को तुरंत रिफंड जारी करने और भविष्य में ऐसी स्थिति न दोहराने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उथल-पुथल के बाद अब उड़ानें धीरे-धीरे बहाल हो रही हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि संचालन पूरी तरह सामान्य होने में कुछ दिन और लग सकते हैं। 6 दिसंबर 2025 के लिए दिल्ली से विभिन्न शहरों के हवाई किराए में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है, जो हालात की गंभीरता को दर्शाती है।

'पल्सर हेट्रिक ऑफर' एक बार फिर लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी बजाज ऑटो ने 'पल्सर हेट्रिक ऑफर' को एक बार फिर लॉन्च कर दिया है। दिसंबर का महीना आमतौर पर ऑटोमोबाइल खरीद का सबसे मजबूत समय माना जाता है, और ऐसे में यह ऑफर पल्सर खरीदारों के लिए एक बड़ा अवसर बनकर आया है। यह स्कीम तीन प्रमुख लाभों के साथ आती है, जिन्हें मिलाकर इसे 'हैट्रिक ऑफर' कहा गया है। सबसे पहले, हाल ही में लागू जीएसटी संशोधन का पूरा लाभ सीधे ग्राहकों को दिया जा रहा है, जिससे ऑन-रोड कीमत में कमी आती है। दूसरा लाभ यह है कि कंपनी ने फाइनेंस प्रोसेसिंग चार्ज पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं, इसलिए लोन पर बाइक लेने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा। तीसरा लाभ इंश्योरेंस पर मिलने वाली बचत का है, जिससे कुल लागत और कम होती है। बजाज ऑटो का कहना है कि यह पूरा ऑफर बिना किसी हिडन चार्ज के उपलब्ध है, जिससे ग्राहक वास्तविक बचत महसूस करेंगे। कंपनी ने जानकारी दी है कि यह ऑफर पूरे भारत में उपलब्ध है और पल्सर रेंज के अधिकांश मॉडलों पर लागू होगा।

दिल्ली में जारी आंकड़ों के अनुसार, पल्सर 125 पर लगभग रुपए 10,900, एनएस125 एबीएस पर रुपए 12,200 और पल्सर एन 160 पर करीब रुपए 15,700 तक की बचत मिल सकती है। वहीं बजट सेगमेंट में लोकप्रिय प्लैटिना 110 पर भी रुपए 8,600 तक का लाभ दिया जा रहा है। बजाज का मानना है कि नए साल से पहले वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए यह सबसे अच्छा समय है। भारत में पल्सर सीरीज लंबे समय से युवाओं और फैमिली राइडर्स की पसंद रही है और इसकी मजबूती, परफॉर्मेंस और स्पोर्टी डिजाइन इसकी लोकप्रियता की बड़ी वजह हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी का आईपीओ 12 से खुलेगा

- निवेशकों में उत्साह, 19 दिसंबर को होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी अपना बहुप्रतीक्षित आईपीओ 12 दिसंबर को खोलने जा रही है। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्टिंग की प्रक्रिया को तेज करते हुए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनियों (आरओसी) के साथ अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) फाइल कर दिया है। हालांकि आईपीओ का आधिकारिक आकार अभी घोषित नहीं हुआ है, लेकिन बाजार सूत्रों का कहना है कि कंपनी लगभग 10,000 करोड़ रुपए जुटा सकती है। यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) होगा, जिसके तहत प्रमोटर प्रूडेंशियल कारपोरेशन होल्डिंग अपनी 4.89 करोड़ इक्विटी शेयरों (9.9 फीसदी) की हिस्सेदारी बेचेगी। आईपीओ में आईसीआईसीआई बैंक के शेयरधारकों के लिए 24.48 लाख शेयर रिजर्व रखे गए हैं। आईपीओ का एंकर बुक 11 दिसंबर को खुलेगा, जबकि पब्लिक इश्यू 12 से 16 दिसंबर तक निवेशकों के लिए उपलब्ध रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 17 दिसंबर को होने की संभावना है और 19 दिसंबर से कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर ट्रेडिंग शुरू कर देंगे। लिस्टिंग के बाद यह आईसीआईसीआई समूह की चौथी कंपनी बन जाएगी, जो स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्विंटन डी कॉक का 'विराट' रिकॉर्ड, सचिन-रोहित के क्लब में शामिल, भारत के खिलाफ जड़ा 7वां शतक

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर-बल्लेबाज़ क्विंटन डी कॉक ने अपने 13,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं और इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने वाले अपने देश के सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। ??इस अनुभवी विकेटकीपर ने भारत के खिलाफ अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और पहले दो मैचों में दो कम स्कोर से उबरते हुए प्रोटियाज़ के लिए अपना 23वाँ एकदिवसीय शतक जड़ा। उन्होंने 89 गेंदों में आठ चौकों और छह छक्कों की मदद से 119.10 के स्ट्राइक रेट से 106 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए अब तक 311 अंतरराष्ट्रीय मैचों में, डी कॉक ने 40.24 की औसत और 93.71 के स्ट्राइक रेट से 13,088 रन बनाए हैं, जिसमें 347 पारियों में 30 शतक और 70 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 178 रहा है। इस शतक के साथ, वनडे में उनके अर्धशतक से शतक तक पहुँचने की दर बढ़कर 41.81 प्रतिशत हो गई है, जो भारतीय वनडे के उस्ताद विराट कोहली (41.40 प्रतिशत) से ज़्यादा है। डी कॉक ने वनडे में 55 अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें से 23 शतकों में बदले हैं।

इसके अलावा, उन्होंने 23-23 शतकों के साथ, एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा की बराबरी कर ली है। डी कॉक ने एक अन्य श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या के साथ एकदिवसीय क्रिकेट में भारत के खिलाफ संयुक्त रूप से सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में बराबरी कर ली है। उन्होंने केवल 23 पारियों में भारत के खिलाफ अपना सातवां शतक पूरा किया है, जबकि जयसूर्या ने 85 पारियों में ये सात शतक लगाए थे। भारत के खिलाफ 23 एकदिवसीय मैचों में, क्विंटन ने 51.78 की औसत और 93 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 1,191 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 है। भारत में अपने सातवें शतक के साथ, डी कॉक विदेशी धरती पर सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर (यूएई में सात शतक), पाकिस्तान के सईद अनवर (यूएई में सात शतक), एबी डिविलियर्स (भारत में सात शतक) और रोहित शर्मा (इंग्लैंड में सात शतक) की श्रेणी में शामिल हो गए हैं।

अर्जुन तेंदुलकर ने किया वह कारनामा, जो सचिन तेंदुलकर टी20 में कभी नहीं कर पाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे और युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर ने घरेलू क्रिकेट में ऐसा कमाल कर दिखाया है, जो उनके पिता भले ही क्रिकेट के भगवान माने जाते हों, लेकिन अपने टी20 करियर में कभी नहीं कर सके। मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल खेल चुके अर्जुन को आगामी मिनी ऑक्शन से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने ट्रेड कर लिया है। फिलहाल वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गोवा की ओर से खेल रहे हैं और शानदार प्रदर्शन कर चर्चा में छाए हुए हैं। 26 वर्षीय अर्जुन तेंदुलकर इस बार टूर्नामेंट में गोवा के लिए ओपनर की नई जिम्मेदारी निभा रहे हैं और साथ ही पारी की शुरुआत नई गेंद के साथ गेंदबाजी से भी कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए और बल्लेबाजी में 10 गेंदों पर 16 रन भी जोड़े। मौजूदा सीजन में अब तक उनके प्रदर्शन में पांच मैचों में 70 रन और आठ विकेट शामिल हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं।

यह उपलब्धि सचिन तेंदुलकर के टी20 करियर से तुलना में बेहद खास है। सचिन ने भले ही टी20 मैचों में ओपनिंग बल्लेबाज की भूमिका निभाई हो, लेकिन उन्होंने कभी ओपनिंग बॉलिंग नहीं की। मास्टर ब्लास्टर ने अपने पूरे टी20 करियर में 96 मैच खेले, जिनमें उन्होंने सिर्फ 93 गेंदें फेंकी और कुल दो विकेट हासिल किए। इसके मुकाबले अर्जुन टी20 में नियमित रूप से नई गेंद संभाल रहे हैं और अब तक 29 मैचों में 35 विकेट झटक चुके हैं। इस अंतर को देखकर यह साफ झलकता है कि अर्जुन ने मैदान पर अपने पिता से अलग पहचान बनाने का रास्ता चुना है।

अर्जुन 2022/23 सीज़न से पहले मुंबई की टीम छोड़कर गोवा की ओर से खेलने लगे थे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में अपने करियर की शुरुआत शानदार शतक के साथ की थी और वर्तमान में गोवा के लिए तीनों फॉर्मेट में खेल रहे हैं। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 22 मैचों में 48 विकेट और 620 रन शामिल हैं, जिनमें एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में 18 मैचों में 25 विकेट और 102 रन उनके नाम हैं। दूसरी ओर, सचिन तेंदुलकर ने भारत के लिए केवल एक टी20 इंटरनेशनल मैच 2006 में खेला था, जबकि आईपीएल 2010 में 618 रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। आज अर्जुन तेंदुलकर की प्रगति और लगातार बेहतर होते प्रदर्शन ने उन्हें देश के सबसे चर्चित युवा ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया है, और क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा मान रहे हैं।

भारत ने 20 वनडे टॉस हारने के बाद साउथ अफ्रीका के खिलाफ जीता टॉस

-खत्म हुआ 751 दिन का सूखा, लगातार 20 हार के बाद जीता टॉस

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम वनडे में लंबे इंतजार के बाद टॉस जीतकर फैंस को राहत दी। नए कप्तान केएल राहुल की अगुवाई में टीम ने आखिरकार 20 मैचों तक लगातार टॉस हारने का सिलसिला तोड़ दिया। भारत ने टॉस जीतने के बाद गेंदबाजी का फैसला किया, जिससे कप्तान को अपनी रणनीति अनुसार खेल शुरू करने का मौका मिला।

इससे पहले रांची और रायपुर में भारत को टॉस जीतने में सफलता नहीं मिली थी। शुभमन गिल के बाहर होने के बाद भी टॉस का रुख टीम के पक्ष में नहीं था। रांची में टॉस हारने के बाद रायपुर के मुकाबले में भी यही कहानी दोहराई गई, जिससे फैंस निराश हुए थे। लेकिन विशाखापत्तनम में आखिरकार भारतीय टीम को वह खुशी मिली जिसका इंतजार था।

केएल राहुल के टॉस जीतने के पीछे एक दिलचस्प कहानी भी सामने आई है। उन्होंने शुरुआती दो मैचों में टॉस के लिए सिक्का बाएं हाथ से उछाला था, लेकिन इस मैच में दाएं हाथ से कोइन फ्लिक किया। इसके साथ ही टीम के मेंटोर हर्षित राणा ने फिंगर क्रॉस करके खड़े होकर शुभकामना दी कि टॉस भारत के पक्ष में जाए। इस छोटे-छोटे टोटकों का असर पड़ा और भारत ने टॉस जीतकर अपनी रणनीति पर काम करने का अवसर पाया।

फीफा विश्व कप 2026: फुटबॉल का महाकुंभ 11 जून से

-इस बार 48 टीमों के साथ होगा सबसे बड़ा टूर्नामेंट

- कुल 104 मुकाबले होंगें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल महोत्सव फीफा विश्व कप 2026 का आगाज़ 11 जून से होने जा रहा है। इस बार टूर्नामेंट में कई मायनों में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेंगे, जिनमें सबसे बड़ा बदलाव टीमों की संख्या का 32 से बढ़कर 48 होना है। इसके साथ ही मैचों की संख्या भी बढ़कर 104 हो गई है, जबकि पिछले संस्करण 2022 कतर विश्व कप में 64 मुकाबले खेले गए थे। 2026 फीफा वर्ल्ड कप अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से आयोजित होगा और फाइनल मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा। वॉशिंगटन डीसी के कैनेडी सेंटर में फीफा विश्व कप ड्रॉ का आयोजन किया गया, जहां 12 ग्रुप में टीमों का विभाजन तय किया गया। ड्रॉ कार्यक्रम के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे और उन्हें फीफा पीस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच मैक्सिको और साउथ अफ्रीका के बीच प्रतिष्ठित एस्टाडियो अज्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दुनिया ने पहले भी कई ऐतिहासिक मैचों का गवाह देखा है। ड्रॉ के परिणामों के अनुसार, मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों को ग्रुप 'जे' में रखा गया है, जहां उनके साथ ऑस्ट्रिया और जॉर्डन भी मुकाबला करेंगी। अर्जेंटीना को इस बार का ग्रुप अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है, और यही स्थिति दो अन्य दावेदार टीमों स्पेन और इंग्लैंड के लिए भी है। वहीं फ्रांस को चुनौतीपूर्ण ग्रुप मिला है, जहां फुटबॉल जगत के दो सबसे बड़े सुपरस्टार किलियन एमबापे (फ्रांस) और एर्लिंग हालैंड (नॉर्वे) होंगे।

यूरोपीय चैंपियन स्पेन ग्रुप 'एच' में केप वर्डे के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टूर्नामेंट में 16 नई टीमों को जोड़ा गया है, जिससे फुटबॉल के वैश्विक विस्तार का स्पष्ट संकेत मिलता है और छोटे फुटबॉल देशों को विश्व मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। अधिकांश मुकाबले अमेरिका में खेले जाएंगे, जहां विशाल दर्शक क्षमता वाले स्टेडियमों में रोमांच का माहौल देखने को मिलेगा। फीफा विश्व कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का उत्सव नहीं, बल्कि दुनिया भर के खेल प्रेमियों के लिए भावना, जुनून और उम्मीदों का संगम बनने जा रहा है। अब निगाहें इस पर होंगी कि 19 जुलाई को कौन सी टीम विश्व फुटबॉल की नई चैंपियन बनकर उभरती है।

विश्व कप के सभी 12 ग्रुप

ग्रुप ए : मेक्सिको, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, यूईएफए प्लेऑफ डी

ग्रुप बी : कनाडा, यूईएफए प्लेऑफ ए, कतर, स्विट्जरलैंड

ग्रुप सी : ब्राजील, मोरक्को, हैती, स्कॉटलैंड

ग्रुप डी : यूएसए, पैरागुवे, ऑस्ट्रेलिया, यूईएफए प्लेऑफ सी

ग्रुप ई : जर्मनी, कुराओ, आइवरी कोस्ट, इक्वाडोर

ग्रुप एफ : नीदरलैंड, जापान, यूईएफए प्लेऑफ बी, ट्यूनीशिया

ग्रुप जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड

ग्रुप एच : स्पेन, केप वर्डे, सऊदी अरब, उरुग्वे

ग्रुप आई : फ्रांस, सेनेगल, फीफा प्लेऑफ 2, नॉर्वे

ग्रुप जे : अर्जेंटीना, अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया, जॉर्डन

ग्रुप के : पुर्तगाल, फीफा प्लेऑफ 1, उज्बेकिस्तान, कोलंबिया

ग्रुप एल : इंग्लैंड, क्रोएशिया, घाना, पनामा

भारत ने आयरलैंड को 4-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की

सैंटियागो (चिली)। भारत ने जूनियर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को अपने आखिरी पूल सी मुकाबले में आयरलैंड को 4-0 से हराकर मजबूत जीत दर्ज की। सैंटियागो के एस्टाडियो नेशनल के सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम शुरुआत से ही आक्रामक मूड में दिखाई दी। मैच की शुरुआत मात्र 12 सेकंड बाद ही भारत ने पहला पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित किया, हालांकि इसे गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। इसके बावजूद टीम इंडिया ने निरंतर दबाव बनाए रखा और आयरलैंड की डिफेंस लाइन को बैकफुट पर रखा। 10वें मिनट में भारत को दूसरा पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन एक बार फिर गोल करने का मौका हाथ से निकल गया। हालांकि 12वें मिनट में भारतीय टीम ने वह हासिल की जिसका इंतज़ार था।

चोट के बाद वापसी को तैयार रियान पराग, बोले- फिर से टीम इंडिया की जर्सी पहनूंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा ऑलराउंडर रियान पराग ने वनडे और टी20 टीम से बाहर होने को लेकर खुलकर बात की है। पराग ने स्वीकार किया कि टीम से बाहर होना उनके लिए बड़ा झटका था, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी और लगातार अपने खेल को बेहतर करने में लगे रहे। हाल ही में कंधे की चोट से पूरी तरह फिट होने के बाद पराग का विश्वास है कि यदि उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार मौके मिले, तो वह दोबारा टीम इंडिया में जगह बनाने में सफल होंगे। रियान पराग ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था और इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी उन्हें टीम में चुना गया था। वनडे डेब्यू में पराग ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए थे, लेकिन बल्लेबाजी में वह केवल 15 रन ही बना पाए, जिसके चलते उन पर सवाल उठे। हालांकि, पराग का मानना है कि फॉर्म के कारण नहीं बल्कि चोट की वजह से वह टीम से बाहर हुए। एक अंग्रेजी अखबार से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैंने भारत के लिए ठीक-ठाक प्रदर्शन किया था। आप इसे मेरा विश्वास कह सकते हैं या ओवरकॉन्फिडेंस, लेकिन सच यही है कि मेरी कंधे की चोट ने मुझे पीछे धकेला। अगर मैं चोटिल नहीं होता तो मुझे यकीन है कि मैं दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में खेल सकता था। जब भी मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा, आप मुझे दोबारा भारत की जर्सी में देखेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की 177 रनों की बड़ी बढ़त, इंग्लैंड की ठोस शुरुआत, डकेट-क्रॉली का धैर्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने लचीलापन दिखाया और दोनों छोर संभालते हुए ब्रिस्बेन में खेले जा रहे डे-नाइट एशेज टेस्ट के तीसरे दिन डिनर तक इंग्लैंड को बिना किसी नुकसान के 45 रन पर पहुँचा दिया। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले 511 रनों पर ढेर हो गया था और उसे 177 रनों की विशाल बढ़त हासिल हो गई थी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (13*) और जैक क्रॉली (26*) डिनर तक नाबाद रहे और उन्होंने एक ठोस साझेदारी की। इंग्लैंड ने केवल छह ओवरों में 45 रन बनाकर इस घाटे को पूरा कर लिया। मिशेल स्टार्क ने शानदार 77 रनों की पारी खेली और वह दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष स्कोरर रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे सत्र की शुरुआत 99 ओवरों में 450/8 के स्कोर पर की और 116 रनों की बढ़त हासिल कर ली। स्टार्क (46*) और स्कॉट बोलैंड (7*) क्रीज पर नाबाद थे। स्टार्क ने दूसरे सत्र के पहले ही ओवर में विल जैक्स की गेंद पर मिडविकेट की ओर चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इस अर्धशतक के साथ, स्टार्क उन चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिन्होंने डे-नाइट टेस्ट मैच में 50 या उससे अधिक रन बनाए और पाँच विकेट लिए।

वह दिलरुवान परेरा और जेसन होल्डर की सूची में शामिल हो गए। स्टार्क अब टेस्ट मैचों में नौवें नंबर के बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज खिलाड़ी ने 64 टेस्ट मैचों की 77 पारियों में 22.34 की औसत से 1,408 रन बनाए हैं, जिसमें आठ अर्धशतक और 99 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। स्टार्क ने इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को पीछे छोड़ दिया है।

109वें ओवर में स्टार्क ने गस एटकिंसन को आउट किया और उनके ओवर में दो चौके जड़कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया। 111वें ओवर में ब्रायडन कार्से ने आखिरकार स्टार्क को आउट कर दिया और 141 गेंदों पर 77 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ब्रेंडन डोगेट भी बोलंड के साथ क्रीज पर आए। जैक ने 117वें ओवर में डोगेट को 13 रन पर आउट करके ऑस्ट्रेलियाई पारी का रुख मोड़ दिया। बोलैंड और डोगेट ने आखिरी विकेट के लिए 20 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 117.3 ओवर में 511 रन तक पहुँचाया। इससे पहले, शनिवार को गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे दूसरे एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम रहा और उसने तीसरे दिन चायकाल तक 99 ओवर में 8 विकेट पर 450 रन बनाकर 116 रनों की बढ़त बना ली।

शादी टलने के बाद स्मृति मंधाना का पहला पोस्ट वायरल, आवाज में बदलाव सुनकर फैंस हुए चिंतित

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूजिक कंपोज़र पलाश मुच्छल और भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को होने वाली थी, लेकिन समारोह से ठीक पहले अचानक स्थिति बदल गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी से कुछ दिनों पहले ही स्मृति के पिता की तबीयत काफी बिगड़ गई, जिसके बाद दोनों परिवारों ने यह निर्णय लिया कि शादी को आगे बढ़ाया जाए। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अफवाहें फैलने लगीं कि शायद दोनों के रिश्ते में कोई तनाव है, लेकिन आधिकारिक तौर पर ऐसा कुछ भी पुष्टि नहीं की गई। लगातार चर्चाओं और अटकलों के बीच अब स्मृति मंधाना ने 11 दिन बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट साझा की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक टूथपेस्ट ब्रांड का विज्ञापन वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे अपने अनुभवों और खेल में आने वाले भावनात्मक पलों के बारे में बात करती दिखाई देती हैं। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा 'जीत के पल, ईमानदार बातचीत और वे अनुष्ठान जो खेल का पूरा समीकरण बदल देते हैं।' पोस्ट सामने आते ही फैंस ने न सिर्फ वीडियो पर प्रतिक्रिया दी, बल्कि उनकी आवाज़ में आए बदलाव को लेकर भी चिंता जताई। कई प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि उनकी आवाज भारी लग रही है और ऐसा महसूस होता है जैसे वे किसी भावनात्मक दौर से गुजर रही हों। एक यूजर ने पूछा 'आवाज को क्या हो गया? आप ठीक तो हैं?' वहीं एक अन्य ने लिखा 'लगता है बहुत रोई हैं, आवाज बदल गई है।' एक टिप्पणी में कहा गया 'आपकी आवाज बहुत कुछ कह रही है, उम्मीद है आप ठीक होंगी।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ झलकता है कि उनके समर्थक उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को लेकर काफी चिंतित हैं। साथ ही कुछ फैंस ने यह भी नोटिस किया कि वीडियो के दौरान स्मृति के हाथ में इंगेजमेंट रिंग दिखाई नहीं दी। इससे एक नया सवाल उठा कि वे अंगूठी क्यों नहीं पहन रही हैं। एक फैन ने लिखा 'मुस्कान में दर्द नजर आ रहा है, और रिंग नहीं दिख रही।' हालांकि इस पर स्मृति या उनके परिवार की ओर से अब तक कोई बयान सामने नहीं आया है। फैंस लगातार उन्हें मजबूत बने रहने, खुद का ख्याल रखने और नकारात्मक खबरों से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। शादी टलने के बाद आया यह पहला पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

हरभजन को विराट, रोहित के एकदिवसीय विश्वकप तक खेलने की उम्मीद

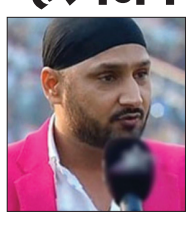

शारजाह। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अगले विश्वकप में खेलने की इच्छा जाहिर की है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समित ने अभी तक इसको लेकर कोई जवाब नहीं दिया है। इसी पर तंज कसते हुए दिग्गज स्पिनर स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कि रोहित और विराट जैसे स्टार खिलाड़ियों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कोई विशेष उपलब्धि नहीं हासिल नहीं हैं हालांकि हरजन को उम्मीद है कि यह जोड़ी साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने अभी तक इनके विश्वकप में खेलने को लेकर कुछ नहीं कहा है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होगी : जूनियर हॉकी कोच श्रीजेश

चेन्नई (एजेंसी)। खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा, 'बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।' भारत के महान गोलकीपर रहे श्रीजेश ने कहा, 'अच्छे मूव को फाइनल टच देना जरूरी है। हम लगातार आक्रमण कर रहे थे और मौके बना रहे थे। सर्कल के भीतर गेंद का नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। कठिन टीमों के खिलाफ गोल करने के मौके ज्यादा नहीं मिलते हैं और जो भी मौके मिले, उन्हें भुनाना होगा।'

यह पूछने पर कि लीग चरण में आसान चुनौतियों से क्या क्वार्टर फाइनल में दबाव अधिक रहा, श्रीजेश ने कहा, 'लीग दौर के मैच सभी के लिए लगभग बराबर होते हैं। कुछ टीमों को एक कठिन मैच मिल जाता है लेकिन हमने अपनी टीम का स्तर ऊंचा रखने की कोशिश की और उन्हें चुनौतियां दी कि इतने गोल से जीतना है। लेकिन नॉकआउट चरण में दबाव अलग होता है।'

भारत ने राउंड रॉबिन चरण में 29 गोल किए और एक भी नहीं गंवाया था। कोच ने आगे कहा, 'क्वार्टर फाइनल से ज्यादा दबाव अब सेमीफाइनल में होगा। क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम क्वालीफाई नहीं कर सकी। हम किसी टीम को हलके में नहीं ले सकते। जर्मन टीम पूरी तैयारी के साथ उतरेगी लिहाजा हमे अपने खेल में सुधार करना होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि अपने युवा खिलाड़ियों को बेहतरीन मैच जीतने के बाद उन्होंने समझाया कि काम अभी पूरा नहीं हुआ है और आत्ममुग्धता से बचना जरूरी है।

उन्होंने कहा, 'मैने टीम से यही कहा कि पैर जमीन पर रखने हैं और अब फोकस अगले मैच पर करना है। सबसे अहम बात यह है कि अच्छे प्रदर्शन की बजाय गलतियों पर ध्यान दें। डी के भीतर की गई गलतियों को दूर करना होगा।' उन्होंने कहा, 'ये खिलाड़ी सिर्फ जूनियर विश्व कप खेलने के लिये नहीं है, इन्हें आगे भारतीय टीम में खेलना है और इस दबाव का सामना करना आना ही चाहिए। आगे ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल सब खेलना है। अभी शुरूआती कदम है और यहां अच्छा खेलने पर आगे की राह आसान हो जाएगी।'

अंपायर से बहस पर फखर जमान पर 10फीसदी मैच फीस का जुर्माना

दुबई। पाकिस्तान के बैटर फखर जमान पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ खेले गए ट्राई-सीरीज फाइनल मुकाबले में आचार संहिता उल्लंघन के मामले में की गई। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 आर्टिकल 2.8 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ द्वारा अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति व्यक्त करने से संबंधित है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के 19वें ओवर में हुई, जब फखर जमान ऑन-फील्ड अंपायर के फैसले से असहमत नजर आए और मैदान पर अंपायरों के साथ लंबी बहस में शामिल हो गए। विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक निर्णय के चलते उन्हें अपना विकेट गंवाना पड़ा। इस दौरान उनका व्यवहार मैच अधिकारियों की दृष्टि में खेल भावना के विरुद्ध माना गया, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। आईसीसी ने फखर जमान के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा है। यह पिछले 24 महीनों में उनके लिए पहला डिमेरिट पॉइंट है। नियमों के अनुसार लेवल-1 के उल्लंघन में अधिकतम 50 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना और एक या दो डिमेरिट पॉइंट लगाए जा सकते हैं, जबकि न्यूनतम सज़ा चेतावनी होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

इराक ने हिजबुल्लाह और हूती के फंड को किया फ्रीज

बगदाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच इस क्षेत्र के देश इराक ने एक बड़ा कदम उठाते हुए लेबनान के हिजबुल्लाह और यमन के हूती समेत ईरान-समर्थित सशस्त्र समूहों का धन फ्रीज करने का एलान किया है। इराक के आधिकारिक राजपत्र में यह जानकारी दी गई। अमेरिका का इस फैसले के स्वागत करन की उम्मीद है क्योंकि अमेरिका लंबे समय से इराक और मध्य पूर्व के अन्य देशों में ईरान का प्रभाव कम करना चाहता है। हालांकि, इराक अमेरिका और ईरान दोनों का साझेदार है और वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दबाने वाली नीति के बीच फंसने से बचता रहा है। ईरान के लिए इराक एक महत्वपूर्ण पड़ोसी है।

रूस ने चरमपंथी सामग्री फैलाने के आरोप में अमेरिकी गेमिंग प्लेटफार्म रोब्लॉक्स को किया ब्लॉक

मास्को, एजेंसी। रूस ने अमेरिकी बच्चों के गेमिंग प्लेटफार्म रोब्लॉक्स को चरमपंथी सामग्री और एलजीबीटी प्रचार फैलाने के आरोप में ब्लॉक कर दिया है। रूसी संचार निगरानी संस्था रोसकोम्नाड्ज़ोर ने बुधवार को इसकी घोषणा की। रोसकोम्नाड्ज़ोर ने कहा कि रोब्लॉक्स पर अनुचित सामग्री की भरमार है, जो बच्चों के आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। रोब्लॉक्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे स्थानीय कानूनों का सम्मान करते हैं। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उनकी कंपनी सीखने और सृजन के लिए एक सकारात्मक जगह प्रदान करती है। गौरतलब है कि, रोब्लॉक्स के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता 15.15 करोड़ हैं।

अमेरिका ने ड्रग तस्करी का आरोप लगा एक और नौका को बनाया निशाना, अब तक 22 हमलों में गई 87 की जान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना की दक्षिणी कमांड ने बताया है कि उन्होंने गुरुवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में एक और नौका को निशाना बनाया है। अमेरिका ने आरोप लगाया है कि नौका के जरिए ड्रग तस्करी की जा रही थी। गुरुवार को किया गया हमला अमेरिकी सेना का कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में किया गया 22वां हमला है, जिसमें चार लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि गुरुवार के हमले के बाद अमेरिका के ड्रग तस्करी की संदिग्ध नौकाओं को निशाना बनाने में अब तक करीब 87 लोगों की मौत हो चुकी है। एक वीडियो में दिख रहा है कि एक छोटी नौका समुद्र में तेजी से जा रही है और अचानक से उसमें विस्फोट होता है और नौका आग की लपटों में घिर जाती है। यह हमला उसी दिन किया गया है, जब अमेरिकी संसद अमेरिकी सेना द्वारा 2 सितंबर को पहली बार एक छोटी नौका को निशाना बनाए जाने की जांच कर रही है। अमेरिकी सेना के एडमिरल फ्रैंक ब्रैडली गुरुवार को ही अमेरिकी सांसदों के सामने पेश हुए। 2 सितंबर के हमले में एक रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें दावा किया गया कि एडमिरल ब्रैडली ने हमले में बचे हुए लोगों को मारने के लिए फिर से हमले का आदेश दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया कि ब्रैडली ने डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के आदेश के बाद दूसरा हमला किया था। कानूनी जानकारों ने कहा है कि समुद्र में हमले में बचे लोगों को मारना युद्ध के कानूनों का उल्लंघन हो सकता है।

रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला, 15 लाख लोग अंधेरे में ; 36 मिसाइल-600 ड्रोन हमलों से तबाह ऊर्जा संयंत्र

कीव/मास्को, एजेंसी। यूक्रेन पर रूस के ताजा हमलों ने युद्ध को एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर ला खड़ा किया है। पिछले 48 घंटे के भीतर यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक रूसी सेना ने लगभग 36 बैलिस्टिक मिसाइलों और करीब 600 ड्रोन के जरिए व्यापक हमला किया, जिसमें कई बड़े ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए हैं और लगभग 15 लाख लोग अंधेरे में डूब गए हैं। खेरसोन, सूमी का बड़ा हिस्सा, खारकीव शहर और खारकीव क्षेत्र के विल्वा स्थित सैन्य अड्डे पर हुए हमलों ने न सिर्फ बिजली आपूर्ति ठप कर दी, बल्कि यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं और नागरिक ढांचे दोनों को गंभीर चोट पहुंचाई है। इन हमलों के दौरान 20 से अधिक नागरिकों के मारे जाने की भी खबर है। यूक्रेनी मीडिया सस्पिल्ने और किर्विक इंडिपेंडेंट के अनुसार यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय और स्थानीय प्रशासन के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार रूस ने इस हमले की प्राथमिक दिशा के रूप में ऊर्जा अवसंरचना और सैन्य अड्डों को चुना। खेरसोन और सूमी क्षेत्र में प्रमुख विद्युत उपकेंद्रों और ट्रांसफॉर्मर स्टेशनों को निशाना बनाए जाने की वजह से पूरे इलाकों में लंबे समय के लिए बिजली कटौती लागू करनी पड़ी। खारकीव शहर और उसके आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ पानी के पंपिंग स्टेशन और ट्राम-मेट्रो जैसी शहरी सुविधाएं ठप हो गईं।

पाकिस्तान में मुनीर पहले सीडीएफ बने, 44 अमेरिकी सांसदों ने की असीम के वीजा बैन-संपत्ति जब्त की मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज नियुक्त कर दिया है। उनका कार्यकाल 5 साल का होगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मुनीर को आर्मी चीफ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज दोनों पदों के लिए जो सिफारिश भेजी थी, उसे राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति भवन ने अपने आधिकारिक एक्स पोस्ट में लिखा कि आसिम मुनीर को एक साथ दोनों पदों पर अगले पांच वर्षों के लिए नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान में दमन के विरुद्ध लामबंद हुए 44 अमेरिकी सांसद हाल ही में 40 से ज्यादा अमेरिकी सांसदों ने पाकिस्तान में जनता पर किए जा रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को लिखी चिट्ठी में इन सांसदों ने कहा कि सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नियंत्रण वाली पाकिस्तानी सरकार खुलकर दमनकारी नीतियां अपना रही है। नागरिक समाज को कुचला जा रहा है। सैन्य शासन को चुनौती देने वाली हर आवाज खत्म की जा रही है। दमन की इस कार्रवाई में कुछ आला अधिकारी भी शामिल हैं। सांसदों ने अमेरिकी सरकार

से पूछा है कि इन हालात के दोषी आसिम मुनीर जैसे लोगों के खिलाफ वीजा प्रतिबंध और संपत्ति जब्ती जैसे कदम क्यों नहीं उठाए गए। सांसदों ने इन सभी अधिकारियों के अमेरिका में घुसने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। चिट्ठी लिखने वाले सांसदों में अमेरिकी कांग्रेस की प्रमिला जयपाल, रशीदा तालिब और ग्रेग कैसर जैसे 44 नाम शामिल हैं। यह पत्र ऐसे वक्त सामने आया है, जब हाल ही में पाकिस्तान के संविधान में बड़ा संशोधन किया गया है। इसके तहत सेना प्रमुख आसिम मुनीर को असीमित अधिकार दिए गए हैं।

अमेरिकी नागरिकों व परिजनों को किया जा रहा प्रताड़ित : पत्र में सांसदों ने कहा कि पाकिस्तान में अधिनायकवादी अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले अमेरिकी नागरिकों और उनके परिजनों को धमकियों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में रखा जा रहा है। जोर-जबर्दस्ती करने के साथ-साथ उनके साथ हिंसा भी की गई है। ये घटनाएं नागरिक और राजनीतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से नष्ट किया जा रहा है। सांसदों ने कहा है कि अमेरिका और पाकिस्तान की साझेदारी अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह साझेदारी मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक शासन और कानून के राज के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर आधारित होनी चाहिए। खोजी पत्रकार के भाइयों को किया अगवा, संगीतकार को धमकाया सांसदों ने कहा है कि सेना के भ्रष्टाचार पर रिपोर्टिंग के लिए जाने जाने वाले वर्जीनिया के खोजी पत्रकार अहमद नूरानी लगातार धमकियों का सामना कर रहे हैं। उनकी एक खोजी रिपोर्ट के बाद इस्लामाबाद में उनके भाइयों को घर से अगवा कर पीटा गया और एक महीने से ज्यादा हिरासत में रखा गया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने इस घटना को उदाहरण के तौर पर पेश किया। इसी तरह, सेना ने संगीतकार सलमान अहमद को भी डराया धमकाया। अमेरिका और पाकिस्तान दोनों में उनके परिवार को धमकियां दी गईं। बिना किसी आरोप के उनके साले को अगवा कर एफबीआई के हस्तक्षेप तक हिरासत में रखा गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में स्वतंत्र पत्रकारों को परेशान किया जाता है, अगवा किया जाता है या देश छोड़ कर भागने पर मजबूर किया जाता है।

बलूचिस्तान में हिंसा : चिट्ठी में सांसदों ने बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के जुल्म का खासतौर से जिक्र किया है। महिलाएं, धार्मिक अल्पसंख्यक और खासकर बलूचिस्तान में हाशिए पर धकेले गए समूह भयंकर हिंसा और निगरानी का सामना करते हैं। यह नागरिक समाज को कुचलने वाले एक सुनियोजित अभियान को दर्शाता है। विपक्षी नेताओं को बिना आरोप अनिश्चितकालीन हिरासत में रखा जाता है। निष्पक्ष मुकदमे से वंचित किया जाता है। आम नागरिकों को सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर गिरफ्तार किया जाता है। पाकिस्तान की यह अधिनायकवादी व्यवस्था लगातार दमन के माध्यम से कायम है।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, यूनुस सरकार ने लगाए ये गंभीर आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद जारी कानूनी कार्रवाइयों ने नया मोड़ ले लिया है। ढाका के एक विशेष अंतरराष्ट्रीय अपराध ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के विदेश में रह रहे बेटे सजीब वाजेद जॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब हसीना को पिछले महीने जुलाई विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। ट्राइब्यूनल ने बताया कि जॉय पर भी जुलाई विद्रोह के दौरान मानवता विरोधी अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। इसी मामले में तत्कालीन आईसीटी राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ है, जो पहले से जेल में हैं। जॉय हसीना सरकार में आईसीटी मामलों के सलाहकार थे। हालांकि वो अमेरिका में रहते हैं और ट्राइब्यूनल के समन का अब तक जवाब नहीं दे रहे हैं। अभियोजकों का कहना है कि उनके खिलाफ आरोप स्पष्ट हैं और ट्रायल में अनुपस्थित रहने के कारण अब गिरफ्तारी वारंट आवश्यक हो गया।

जुलाई विद्रोह और सत्ता परिवर्तन : जुलाई 2025 में छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक जनआंदोलन ने शेख हसीना की सरकार को उखाड़ फेंका। यह आंदोलन बाद में जुलाई विद्रोह के नाम से जाना गया। आंदोलन के दौरान भारी हिंसा हुई और अंतरिम सरकार ने जनवरी में

834 जुलाई योद्धाओं की मौतों की सूची जारी की। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने अपनी रिपोर्ट में 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच 1,400 मौतों का अनुमान दिया था, जिसमें पुलिस और अवामी लीग कार्यकर्ताओं के खिलाफ बदले की हिंसा भी शामिल थी।

मौत की सजा और अन्य बड़े फैसले : इसी विद्रोह से जुड़े मानवता विरोधी अपराधों में ट्राइब्यूनल ने पहले ही शेख हसीना और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जामान खान कमाल को मौत की सजा सुनाई है। उनका ट्रायल अनुपस्थिति में हुआ क्योंकि दोनों देश छोड़ चुके थे। अदालत ने माना कि आंदोलन को कुचलने के लिए सरकारी कार्रवाई बेहद क्रूर और योजनाबद्ध थी, जिसमें बड़े पैमाने पर हत्याएं और दमन शामिल था।

अन्य नेताओं पर भी कार्रवाई तेज : ट्राइब्यूनल ने गुरुवार को एक और मामले में पूर्व विधि मंत्री अनिसुल हक और पूर्व निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान के खिलाफ भी औपचारिक आरोप स्वीकार कर लिए।

ट्रंप ने दो और देशों में करा दिया समझौता, वाशिंगटन अकॉर्ड दिया नाम

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक राजनीति के हिसाब से दिसंबर का शुरुआती हफ्ता काफी दिलचस्प है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन चार साल बाद भारत यात्रा पर आए हुए हैं। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों इन समय पर चीन की यात्रा पर हैं। इसी बीच खुद को समझौता और शांति दूत कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने दो और देशों (कांगो और रवांडा) के बीच शांति समझौता कायम करवा दिया है। अमेरिका राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच में शांति समझौते और रेयर अर्थ मिनरल डील को साइन किया। उन्होंने इस समझौते को वाशिंटगन अकॉर्ड नाम दिया। हालांकि, क्या इस समझौते के बाद 30 साल से चला आ रहा यह संघर्ष खत्म हो जाएगा इस पर संशय बना हुआ है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ मौजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद संबोधन भी दिया। उन्होंने कहा, 'इन्होंने (दोनों देशों ने) बहुत समय एक-दूसरे को मारने में बिताया है। अब ऐसा नहीं होगा... अब यह बहुत समय गले मिलने, हाथ पकड़ने और अमेरिका की आर्थिक मदद करके सभी का फायदा करने में बिताएंगे, जैसा की हर देश करता है।'

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी टीम ने इस समझौते को वॉशिंगटन अकॉर्ड्स नाम दिया है। इस समझौते को उस संस्थान में साइन किया गया, जिसे पहले यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस कहा जाता था। एक दिन पहले ही ट्रंप प्रशासन ने इसका नाम बदलकर ट्रंप के नाम पर रखा है। आपको बता दें, शांति समझौते के साथ ही अमेरिका और कांगो ने रेयर अर्थ मिनरल्स को लेकर भी समझौता किया। इसके तहत महत्वपूर्ण खनिजों, सोने और रेयर अर्थ मेटल्स का रणनीतिक भंडारण किया जाएगा। कांगो के राष्ट्राध्यक्ष की तरफ से वादा किया गया कि इन संसाधनों के विकास के लिए अमेरिकी कंपनियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इतना ही नहीं कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिज को लेकर भी दोनों देशों के बीच में साझेदारी हुई। दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में लगातार गृहयुद्ध के हालात बने हुए हैं। इनमें से एक विद्रोही गुट एम23 को रवांडा का समर्थन प्राप्त है। ऐसे में अमेरिका ने हस्तक्षेप करके इस संगठन को रोका और राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी की सरकार गिरने से बचा ली।

2025 में सबसे अधिक गलत बोले गए शब्दों की सूची जारी, मामदानी और लूवर म्यूजियम के नाम भी शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। इस साल की खबरों में कई नामों का उच्चारण सही से नहीं किया गया, जिसने अमेरिकी नागरिकों को उलझन में डाल दिया। इनमें न्यूयॉर्क के नए मेयर जोरान मामदानी और पेरिस के मशहूर लूवर म्यूजियम का नाम भी शामिल हैं। इस साल इन दो नामों का सर्वाधिक गलत उच्चारण किया गया। दरअसल, एक सूची जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि किन नामों का सबसे ज्यादा बार गलत उच्चारण किया गया।

भाषा सिखाने वाली कंपनी बैबेल और कैप्शन बनाने वाली कंपनी द कैप्शनिंग ग्रुप ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसमें वे शब्द हैं जिन्हें अमेरिका के टीवी एंकर, नेता और दूसरे लोग पूरे साल गलत बोलते रहे। इससे पता चलता है कि लोग किन चीजों के बारे में सबसे ज्यादा बात कर रहे थे। मामदानी

जैसे-जैसे राजनीति में ऊपर आते गए, लोग उनके नाम को गलत बोलते रहे। जनवरी में जब वह मेयर बनेंगे, तो वह शहर के पहले मुस्लिम मेयर होंगे। वह पहले अफ्रीका में जन्मे और पहले दक्षिण एशियाई मूल के मेयर होंगे। बैबेल का कहना है कि उनके नाम का सही उच्चारण 'जो-रान माम-दानी' है। लोग उनके नाम के 'एम' और 'एन' को बदलकर गलत बोल देते हैं। मामदानी ने कहा कि अगर कोई कोशिश करता है और उनका नाम गलत बोल देता है तो उन्हें परेशानी नहीं होती, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर गलत बोलते हैं। मेयर पद के लिए एक बहस में उन्होंने न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को कहा था- 'मेरा नाम मामदानी है।' अक्तूबर में लूवर म्यूजियम से फ्रांस के शाही जवाहरात की चोरी सुर्खियों में रही, लेकिन इसके साथ ही म्यूजियम के नाम का उच्चारण भी लोगों के लिए चुनौती बन गया। बैबेल के मुताबिक इसका सही उच्चारण लूव-र है, जिसमें 'र' बहुत हल्के स्वर में बोला जाता है। बैबेल के भाषाई विशेषज्ञ एस्टेबन टौमा का कहना है कि कठिनाई का मुख्य कारण यह है कि कई शब्द अलग-अलग भाषाओं से आते हैं और अंग्रेजी बोलने वालों को नए स्वरों को अपनाने में परेशानी होती है।

सूची में अन्य कौन शब्द शामिल हैं : एसिटामिनोफेनः यह टायलेनॉल दवा की मुख्य सामग्री है। उसका सही उच्चारण अ-सी-ट-मि-न-फेन है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी इस शब्द को बोलते हुए अटक गए थे। वह गर्भवती महिलाओं से यह दवा न लेने की बात कर रहे थे, जबकि इसके नुकासन के बारे में पक्के प्रमाण नहीं थे। उनकी गलती के बाद कॉमेडियन इस पर मजाक बनाते रहे। एलेक्स मर्डोकः वह दक्षिण कैरोलिना के वकील हैं। उन्हें अपनी पत्नी और बेटे की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा मिली।

अमेरिका में ट्रैवल बैन विस्तार पर विचार, 19 से बढ़ाकर 30 देशों पर सख्त प्रतिबंध की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रवास नीति को एक बार फिर वैश्विक बहस के केंद्र में ला रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार ट्रंप प्रशासन वर्तमान यात्रा प्रतिबंध को 19 देशों से बढ़ाकर 30 से अधिक देशों तक विस्तार करने पर गंभीर विचार कर रहा है। यह कदम हाल ही में हुए सुरक्षा घटनाक्रमों और आव्रजन प्रक्रियाओं पर लगाए गए अस्थायी ठहराव के बीच लिया जा रहा हैं। गौरतलब है कि अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर सिफारिश की है कि प्रतिबंध सूची में कम से कम 30-32 देशों को शामिल किया जाए। बता दें कि नोएम ने अपनी पोस्ट में यह भी कहा कि देश को सुरक्षा, आर्थिक संसाधनों और सामाजिक ढांचे पर दबाव से बचाने के लिए कठोर कदम उठाए जाना आवश्यक हैं। इस बयान के बाद अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में आव्रजन को लेकर बहस और तीव्र हो गई हैं। मौजूद रिपोर्टों के अनुसार इस वर्ष की शुरुआत में 19 देशों के ग्रीन कार्ड और अन्य इमिग्रेशन आवेदनों को रोक दिया गया था। ट्रंप प्रशासन ने यह निर्णय उन दो नेशनल गार्ड सैनिकों पर हमले की घटना के बाद लिया था, जिसमें अफगान मूल के संदिग्ध पर हमला करने का आरोप लगा था। उसी के बाद से हाई-रिस्क देशों की सूची में शामिल नागरिकों के प्रवेश और लाभ आवेदन प्रक्रियाओं पर सख्त नियंत्रण लागू किया गया हैं। यूएससीआईएस ने अपने नए मेमो में यह स्पष्ट किया है कि अब इन देशों से आए नागरिकों के पहले से स्वीकृत आवेदनों की भी दोबारा समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ने पर इंटरव्यू या पुनः इंटरव्यू की प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी। बता दें कि पहले जिन लोगों को प्रतिबंध लागू होने से पहले अमेरिका में रहने की छूट दी गई थी, उन्हें अब अधिक निगरानी और सत्यापन प्रक्रिया का सामना करना होगा। एजेंसी डायरेक्टर के पास यह अधिकार सुरक्षित रहेगा कि यह रोक कब हटाई जाए और किन आवेदनों पर पुनर्विचार आवश्यक है। इसी क्रम में उल्लेखनीय यह भी है कि हाल ही में यूएससीआईएस ने शरण से जुड़े सभी मामलों को अस्थायी तौर पर स्थगित कर दिया है, जबकि स्टेट डिपार्टमेंट ने उन अफगान नागरिकों के वीज़ा मामलों पर भी रोक लगा दी है, जिन्होंने पहले अमेरिकी सेना की सहायता की थी। यह निर्णय नीति में व्यापक पुनर्समीक्षा का संकेत देता है, विशेषकर उन आव्रजन लाभों के संबंध में जो बाइडेन प्रशासन के दौरान स्वीकृत किए गए थे। गौरतलब है कि जून में 12 देशों पर पूर्ण प्रवेश प्रतिबंध और 7 देशों पर सीमित प्रतिबंध लागू किया गया था, लेकिन यह संशोधित नीति अब उन सभी पर लागू हो रही है, जो प्रतिबंध लागू होने से पहले अमेरिका में रह रहे थे।

अमेरिका ने वर्क परमिट की अवधि कम की, हजारों भारतीय पेशवरों पर पड़ेगा असर

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के इमिग्रेशन सिस्टम में एक बड़ा बदलाव करते हुए यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने यह घोषणा की है कि अब एम्प्लॉयमेंट ऑथराइजेशन डॉक्यूमेंट्स यानी ईएडी की अधिकतम वैधता अवधि घटा दी जाएगी। इस फैसले का असर लाखों भारतीय पेशेवरों और उनके परिवारों पर पड़ेगा। एजेंसी का कहना है कि यह बदलाव सुरक्षा जांच को मजबूत करने और संभावित जोखिमों का पता लगाने के लिए जरूरी है। यूएससीआईएस ने कहा कि नई नीति से अमेरिका में काम करने की अनुमति मांगने वाले लोगों की बार-बार जांच हो सकेगी, जिससे धोखाधड़ी रोकी जा सके और ऐसे व्यक्तियों की पहचान की जा सके जिनके इरादे हानिकारक हों, ताकि उन्हें देश से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। डायरेक्टर जोसेफ एडलो ने इस फैसले को पब्लिक सेफ्टी की चिंताओं से जोड़ा। उन्होंने कहा कि रोजगार-अनुमति अवधि कम करने से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि जो लोग अमेरिका में काम करना चाहते हैं, वे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा न बनें और देश-विरोधी विचारधाराओं को न बढ़ाएं।

उन्होंने हाल ही की एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वॉशिंगटन में नेशनल गार्ड के सैनिकों पर हमला करने वाला व्यक्ति पिछले प्रशासन द्वारा देश में आने दिया गया था। इस घटना के बाद यह और जरूरी हो गया है कि

विदेशी नागरिकों की बार-बार जांच हो। ये बदलाव सीधे तौर पर कई कैटेगरी पर असर डालते हैं, जिनका भारतीय नागरिक बड़ी संख्या में उपयोग करते हैं, जैसे कि रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के आवेदक और वे एच-1बी कर्मचारी जिनकी प्रक्रिया चल रही है। अब नई नीति के अनुसार शरणार्थियों, आश्रय मांगने वालों, हटाने की प्रक्रिया से राहत पाने वालों और ग्रीन कार्ड आवेदन (आईएनए 245) करने वालों को दिए जाने वाले ईएडी पहले पांच साल के लिए मान्य होते थे, लेकिन अब ये केवल 18 महीने के लिए मान्य होंगे।

पॉलिसी अलर्ट में कहा गया है कि यह नियम 5 दिसंबर, 2025 को या उसके बाद लंबित या दायर किए गए सभी आवेदनों पर लागू होता है। पहले से ही वर्षों से ग्रीन कार्ड की लंबी प्रतीक्षा झेल रहे भारतीय आवेदकों के लिए यह बदलाव नई चिंता पैदा कर सकता है। बहुत से भारतीय लंबे समय तक नौकरी जारी रखने के लिए लंबे समय वाले ईएडी और एडवांस पैरोल दस्तावेजों पर निर्भर रहते हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय अमेरिका में रोजगार-आधारित वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी हैं। वे इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

पाकिस्तान में 1817 मंदिर-गुरुद्वारों में से सिर्फ 37 सही हालत में, अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों का हाल-बेहाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की एक ससंदीय समिति की रिपोर्ट में पड़ोसी देश के अंदर हिंदुओं की स्थिति को लेकर एक बेहद ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों के धार्मिक स्थलों की संख्या भी लगातार घट रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में 1817 हिंदू मंदिरों और गुरुद्वारों में से अब सिर्फ 37 ही चालू स्थिति में हैं। ये आंकड़े एक गंभीर वास्तविकता को उजागर करते हैं।

अल्पसंख्यक कॉकस पर संसदीय समिति के सामने पेश की गई एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि पूरे पाकिस्तान में 1,285 हिंदू मंदिरों और 532 गुरुद्वारों में से सिर्फ 37 ही चालू स्थिति में हैं। अन्य धार्मिक स्थल खराब सरकारी रखरखाव और हिंदू व सिखों की घटती आबादी के कारण जर्जर होते जा रहे हैं। एक स्थानीय अखबार के मुताबिक, यह स्थिति सरकार की बेरुखी के कारण बनी है। समिति का संयोजक चुने जाने के बाद सीनेटर दानिश कुमार ने संकल्प लिया कि कॉकस अल्पसंख्यक सुरक्षा के सांविधानिक वादों को मूर्त रूप देने के लिए प्रयास करेगा। समिति के पहले सत्र में उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को सांविधानिक अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्याय और समानता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधारों को लागू किया जाना चाहिए। इस दौरान समिति के सदस्य डॉ रमेश कुमार वंकवानी ने इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की कड़ी आलोचना की। कहा कि वह अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मंदिरों और गुरुद्वारों की देखभाल करने में पूरी तरह असफल रहा है। पैनल के सदस्यों ने भरोसा जताया कि फोरम अब अल्पसंख्यकों के अधिकारों का हनन नहीं होने देगा। 2025 में पाकिस्तान में आतंकी घटनाओं में 25 फीसदी का इजाफाः थिंक टैंक रिपोर्ट पाकिस्तान में आतंकवाद फिर

बढ़ रहा है और 2025 में हिंसक घटनाएं 25 फीसदी बढ़ी हैं। खैबर पख्तूनख्वा सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यह खुलासा इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक अनुसंधान और सुरक्षा अध्ययन केंद्र (सीआरएसएस) की बुधवार को जारी रिपोर्ट में हुआ है। सीआरएसएस के मुताबिक,जनवरी से नवंबर 2025 तक दर्ज की गई कुल 3,187 मौतों में से 96 फीसदी से अधिक और हिंसा की सभी घटनाओं में से 92 फीसदी खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2024 में 2,546 लोग मारे गए थे, यानी बीते साल से लगभग 20 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 2024 में 2,546 मौतें और 1,981 लोग घायल हुए थे। इनमें आम नागरिक, सुरक्षाकर्मी और आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में मारे गए उग्रवादी शामिल थे। इस साल 1,188 हिंसक घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें आतंकी हमले और जवाबी कार्रवाई शामिल रही। ये ज्यादातर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान से बढ़ते तनाव और झड़पों के बाद खैबर पख्तूनख्वा में हाल के महीनों में हिंसा चरम पर है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने नवंबर 2022 में युद्धविराम टूटने के बाद हमले फिर शुरू कर दिए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिगो फ्लाइट संकट : ये समय मुश्किल का है, लोग स्टॉफ से प्यार से बात करें : सोनू सूद

चंडीगढ (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो में चल रहे संकट का असर चंडीगढ़ और अमृतसर में भी देखने को मिल रहा है। चंडीगढ़ की फ्लाइट्स शनिकार को भी लेट हैं और कई रद्द की जा रही हैं। इसको लेकर अभिनेता सोनू सूद ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें उन्होंने कहा कि मेरा खुद का परिवार इस मुश्किल में 4 घंटे फंसा रहा, लेकिन हम इन सब के लिए ग्राउंड स्टाफ को दोषी नहीं ठहरा सकते। उन्होंने कहा कि ये समय मुश्किल जरूर है, लेकिन लोगों को उनसे प्यार से बात करनी चाहिए।

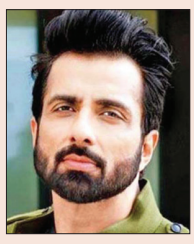

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंडीगढ़ से एक यात्री ने बताया कि उनकी फ्लाइट शरिवार दोपहर 12.45 की थी, जिसे अब 3.30 पर शेड्यूल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें मुंबई किसी जरूरी काम से जाना था, लेकिन फ्लाइट्स देरी से चल रही है। वहीं, नेशनल गेम्स के लिए विशाखापट्टनम जाने को तैयार रोलर स्केटिंग टीम भी परेशान हुई। फ्लाइट कैंसिल होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यात्री पूरी रात एयरपोर्ट पर ही फंसे रहे। उन्होंने कहा कि न खाने-पीने की व्यवस्था मिली और न ही रहने की। यात्रियों का कहना है कि पहुंचते ही पता चला फ्लाइट कैंसिल है, जबकि पहले कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। बता दें इससे पहले शुक्रवार को दोनों एयरपोर्ट्स पर अफरा-तफरी जैसा माहौल दिखा। चंडीगढ़ में 15 तो अमृतसर में 4 फ्लाइट रद्द कर दी गईं। कुछ उड़ानों ने 1 से लेकर 5 घंटे तक की देरी से लैंडिंग और टेकऑफ किया। कोलकाता से चंडीगढ़ अपनी मां के अंतिम संस्कार में आईं श्रुति भी फंस गई।

500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने के आरोप में क्रिकेट कोच गिरफ्तार

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी पुलिस द्वारा एक क्रिकेट कोच की गिरफ्तारी की है, जिस पर 500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने का आरोप है। मामले में गिरफ्तार व्यक्ति मुरारीलाल उर्फ गौतम (45), क्रिकेट कोच है। कोच पर आरोप हैं कि 2020 से 500 से अधिक बच्चों के साथ कुकर्म करने का दावा किया। एक 14 वर्षीय और एक 15 वर्षीय लड़के के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। बच्चों को फ्री में क्रिकेट प्रशिक्षण देने और सिलेक्शन दिलाने का झांसा देकर शोषण करता था। वाराणसी की भेलूपुर पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया। जब पुलिस आरोपी को मीडिया के सामने लाई, तो वह घुटने के बल बैठकर रोने लगा। आरोपी ने पुलिस से कहा कि साहब अब हमको जीने की इच्छा नहीं है। पुलिस अधिकारी-एसीपी गौरव कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। यह अपराध पॉक्सो एक्ट (पॉस्को कानून) के तहत एक गंभीर श्रेणी का अपराध है। आरोपी मुरारीलाल 2021 में भी थाना लंका से जेल जा चुका है। उस समय उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 370 के तहत कार्रवाई हुई थी। आरोपी ने 2016 में अपना घर-संपत्ति बेचकर क्रिकेट कोचिंग शुरू की थी। वह सीरगोवर्धन में किराए के कमरे में रहता था और यहीं से विभिन्न ग्राउंड में प्रशिक्षण देता था, जहां भोले-भाले बच्चों को निशाना बनाता था। यह एक अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामला है, जिस पर भेलूपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

हिमाचल प्रदेश के चंबा में महसूस किए गए भूकंप के झटके

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा में बीती रात भूकंप के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप जमीन के भीतर 10 किलोमीटर गहराई पर आया। इन झटकों को तीन से चार बार महसूस हुआ। एनसीएस के अनुसार, भूकंप रात 11 बजकर 36 मिनट पर आया। अब तक इससे किसी भी प्रकार के जान और माल के नुकसान की सूचना नहीं है। जिन लोगों ने झटके महसूस किए, वह घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, झटकों की तीव्रता कम होने की वजह से ज्यादातर लोग इन झटकों को महसूस नहीं कर पाएं। चंबा जिला भूकंप की दृष्टि से अति संवेदनशील यानी जोन 6 में है। इसलिए यहां बार-बार भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। 14 दिन पहले भी यहां पर रात 12 बजे के बाद भूकंप आया था।

गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को दी धमकी...क्या पंजाब में बढ़ेगा गैंगवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ द्वारा जारी एक ऑडियो संदेश में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर इंद्रप्रीत पैरी की हत्या करवाने का आरोप लगाकर खुली धमकी दी है। गोल्डी बराड़ ने ऑडियो मैसेज में इंद्रप्रीत पैरी हत्याकांड के संबंध में बात कही गई है। बराड़ ने दावा किया है कि लॉरेंस बिश्नोई ने खुद इंद्रप्रीत पैरी को चंडीगढ़ में एक जगह पर फोन करके बुलाया और फिर मरवा दिया। गैंगस्टार बराड़ ने बताया कि इंद्रप्रीत पैरी ने लॉरेंस बिश्नोई के साथ हुई पूरी बातचीत की रिकॉर्डिंग की थी। लॉरेंस ने विक्की टेले के माध्यम से पैरी से संपर्क किया था, जिसने पैरी से कहा था कि लॉरेंस भाई तुमसे बात करना चाहते हैं। रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि जब पुलिस इंद्रप्रीत पैरी को पकड़ नहीं पा रही थी, तब लॉरेंस बिश्नोई ने फोन कर सीधी बात करने का झांसा दिया। लॉरेंस ने पैरी को सेक्टर 10 या 26 जाकर एक लड़के से मिलने को कहा, जो उसे एक फोन देगा जिससे वह लॉरेंस से सीधी बात कर सकता है। लॉरेंस ने फोन पर उससे काफी देर तक हंस-हंसकर बातें कीं और उसे विश्वास में ले लिया। गोल्डी बराड़ के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई ने पैरी को झांसे में लेकर निहत्था बुलाया, और हत्या इस तरह हुई। योजना के मुताबिक इंद्रप्रीत पैरी जब लॉरेंस की बताई जगह पर चंडीगढ़ पहुंचा, तब वहां उस एक लड़का मिला। इसके बाद वह लड़का इंद्रप्रीत पैरी को गाड़ी में बैठाकर कहीं चला गया। गाड़ी में बैठते ही उस लड़के ने पैरी को 5 गोलियां मारीं। गाड़ी से निकलने के बाद भी पैरी पर 2 गोलियां मारी गईं। गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को अंजाम भुगतने की खुली धमकी देकर गद्दारी करार दिया है। बराड़ ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने एक दोस्त को बुलाकर मरवाया है, जो कि दोस्त की पीठ में छुरा घोपने जैसा है। उन्होंने याद दिलाया कि वे सब एक समय भाइयों की तरह थे और 18 सालों तक साथ काम किया। गोल्डी बराड़ ने लॉरेंस बिश्नोई को धमकी देते हुए कहा, लॉरेंस को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। तेरा भी बुरा हाल होगा। यह ऑडियो मैसेज दोनों गैंगस्टरों के बीच गैंगवार की नौबत पैदा कर रहा है। पुलिस द्वारा तीन मिनट की फोन रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है।

बाबरी विध्वंस को ओवैसी ने बताया काला दिवस और पीएम के 'घाव भरने' वाले बयान पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। बाबरी मस्जिद विध्वंस की 6 दिसंबर को बरसी पर एआईएमआईएम प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इसे भारत के इतिहास का काला दिन बताते हुए केंद्र सरकार और न्यायपालिका के कुछ पहलुओं पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। ओवैसी ने आरोप लगाया कि 1992 में बाबरी मस्जिद पुलिस की मौजूदगी में ढहाई गई, जबकि सुप्रीम कोर्ट से यह वादा किया गया था कि ढांचे को छुआ भी नहीं जाएगा।

सांसद ओवैसी ने अपने संबोधन में कहा, कि संघ परिवार से जुड़े वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और उमा भारती ने अदालत को भरोसा दिया था, कि मस्जिद को नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा, लेकिन दुनिया की आंखों के सामने मस्जिद को शहीद कर दिया गया। उन्होंने याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 1949 की घटना को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के मस्जिद में मूर्तियां रखे जाने की कार्रवाई बताया था। यहां ओवैसी यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से माना था कि 6 दिसंबर 1992 की घटना कानून के शासन

का उल्लंघन थी, फिर भी ट्रायल कोर्ट ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया और केंद्र सरकार ने इस फैसले को चुनौती नहीं दी। उन्होंने सवाल उठाया, कि अगर कोई दोषी नहीं, तो फिर मस्जिद किसने गिराई?

जख्म भरने वाले बयान पर उठाया सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर भी उन्होंने निशाना साधा, जिसमें कहा गया था कि 500 साल पुराने ज़ख्म भरे जा रहे हैं। ओवैसी ने सवाल किया, जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मंदिर तोड़कर मस्जिद नहीं बनाई गई, तो प्रधानमंत्री किस ज़ख्म की बात कर रहे हैं? ज़ख्म तो संविधान और कानून के शासन को दिया गया। इसी के साथ ही उन्होंने एक सेवानिवृत्त जज के बयान पर भी सवाल उठाया, जिन्होंने रिटायरमेंट के बाद कहा कि मस्जिद मंदिर तोड़कर बनाई गई थी। ओवैसी ने पूछा कि ऐसा विचार निर्णय में क्यों नहीं लिखा गया।

ओवैसी ने दावा किया कि अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आस्था के आधार पर दिया गया। साथ ही उन्होंने प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट की अनदेखी और मस्जिदों पर बढ़ते मुकदमों पर चिंता जताई। अंतत-उन्होंने देश को सभी धर्मों का बराबर बताया और मुस्लिम समाज विशेषकर महिलाओं में शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा, जब हमारी बेटियां शिक्षित होंगी, तभी भारत मजबूत होगा।

बंगाल में तनाव : बाबरी मस्जिद के लिए ईंटें लेकर निकले हुमायू समर्थक

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बेलडंगा में एक नया विवाद खड़ा कर दिया गया। यहां निलंबित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक हुमायूं कबीर ने 1992 में अयोध्या में ढहाई गई मूल बाबरी मस्जिद की कॉपी के रूप में एक नई मस्जिद की नींव रखने का ऐलान किया है। यह कार्यक्रम 6 दिसंबर यानी आज होने वाला है, जो बाबरी मस्जिद विध्वंस की 33वीं वर्षगांठ का दिन भी है। इस ऐलान ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर हंगामा मचा दिया है, और स्थानीय प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था तैनात कर दी है। इस बीच कई समर्थक ईंटें लेकर बेलडंगा पहुंच रहे हैं। कार्यक्रम के समर्थन में उत्तर बरासात के निवासी मोहम्मद शफीकुल इस्लाम सहित सैकड़ों लोग सुबह से ही सिर पर ईंटें लादकर बेलडंगा की ओर कूच कर रहे हैं। एएनआई से बात करते हुए शफीकुल इस्लाम ने कहा- मैं वहां जाऊंगा जहां हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। ये ईंटें मस्जिद निर्माण के लिए मेरा योगदान होंगी। सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद जैसे हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं, जहां समर्थक कार्यक्रम को न्याय की मांग बता रहे हैं। हुमायूं कबीर भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी के विधायक हैं। उन्होंने पिछले महीने सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम की घोषणा की थी। उन्होंने कहा- हम 6 दिसंबर को बेलडंगा, मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की नींव रखेंगे। यह निर्माण तीन साल में पूरा होगा और इसमें विभिन्न मुस्लिम नेता भाग लेंगे। कबीर ने दावा किया है कि यह मस्जिद 20 बीघा जमीन पर बनेगी, जिसकी अनुमानित लागत 125 करोड़ रुपये है। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यक्रम में करीब तीन लाख लोग शामिल होंगे, जो राष्ट्रीय राजमार्ग-12 (एनएच-12) को प्रभावित कर सकता है। कबीर ने टीएमसी नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा- मैं अपनी जान की परवाह नहीं करता। बाबरी मस्जिद हमारी ट्रस्ट की जमीन पर बनेगी। अगर प्रशासन रोकने की कोशिश करेगा, तो रेजिनगर से बहरामपुर तक हाईवे जाम हो जाएगा। निलंबन के बाद उन्होंने 22 दिसंबर को नई राजनीतिक पार्टी लॉन्च करने और 2026 के विधानसभा चुनाव में 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की बात कही।

पुतिन से राहुल गांधी की मुलाकात न होने पर बिफरा विपक्ष, अधीर रंजन ने साधा निशाना

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी से उनकी मुलाकात नहीं कराए जाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। लोकसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि विदेशी मेहमानों का विपक्षी नेता से मिलना आजादी के बाद से चली आ रही परंपरा है, लेकिन मोदी सरकार जान-बूझकर इसे तोड़ रही है।

अधीर रंजन ने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन हो रहा है। राहुल गांधी के साथ पुतिन साहब की मुलाकात का इंतजाम सरकार को करना चाहिए था। यह हमारी सदियों पुरानी परंपरा है। पता नहीं पीछे से कौन-सी रस्सी खींची जा रही है कि मुलाकात की कोई योजना ही नहीं बनी। यह देश की परंपरा पर भारी चोट है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पुतिन को रूसी भाषा में अनुवादित भगवद्गीता भेंट करने का जिक्र करते हुए तंज कसा, मोदी जी ने पुतिन को गीता दी, इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं। पुतिन साहब भी मोदी जी को बाइबल भेंट कर सकते हैं, अगर वो पढ़ना चाहें। लेकिन आपत्ति सिर्फ एक बात की है - विपक्ष के

नेता को मिलने वाला सम्मान छीना जा रहा है।

गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी संसद परिसर में यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी डेलिगेशनों को स्पष्ट निर्देश दे रही है कि वे विपक्षी नेता से न मिलें। राहुल ने कहा, भारत के संबंध सबके साथ हैं। विपक्ष का नेता एक अलग परिप्रेक्ष्य देता है। हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। सरकार नहीं चाहती कि विदेशी मेहमान हमसे मिलें और हमारा नजरिया सुनें। कांग्रेस का कहना है कि नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक के कार्यकाल में हर विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख ने विपक्षी नेता से मुलाकात की थी। पुतिन की इस यात्रा में भी राहुल गांधी से मुलाकात का कोई कार्यक्रम नहीं रखा गया, जिसे विपक्ष लोकतंत्र पर हमला बता रहा है।

विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे ईवीएम हैक पर बोले उमर... पिता फारुख को भी यहीं लगता

-बीजेपी की चुनावी रणनीति के मुरीद हुए उमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विपक्ष के सबसे बड़े मुद्दे ईवीएम हैक को लेकर एक अलग ही राय दी है। एक कार्यक्रम में अब्दुल्ला ने कहा कि वह उन लोगों में से नहीं हैं, जो यह मानते हैं कि ईवीएम हैक होती है या कुछ और होता है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पिता (फारुख अब्दुल्ला) से भी नहीं बनती है, क्योंकि उनका मानना है कि मशीन में गड़बड़ होती है लेकिन वह ऐसा नहीं मानते।

सीएम उमर ने कहा, मैं ऐसा नहीं मानता कि मशीन (ईवीएम) में चोरी होती है। यह बात मुझे घर में भी परेशानी पैदा करती है, क्योंकि मेरे पिता को ऐसा लगता है कि चोरी होती है। उन्होंने कहा, 'हां, चुनाव के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। यहाँ मतदाता सूची के साथ करके या फिर विधानसभा क्षेत्र में बदलाव करके भी की जा सकती है। जम्मू कश्मीर में पहले जो डिमिलिटेशन हुआ वह छेड़छाड़ थी। अपने नई विधानसभा बनाई वह सब एक ही पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। अगर सही से की जाती है, तब हम साथ है, लेकिन अगर इसतरह के गलत इरादे के साथ, एक ही पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए होता हैं, ये सही नहीं।

इसके पहले उमर अब्दुल्ला ने इंडिया ब्लॉक को लेकर भी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि हमें या एक साथ रहना होगा या फिर हम राज्यों के हिसाब से चुनाव लड़ सकते हैं कि हर राज्य में अलग-अलग गठबंधन के साथ चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां कितना भी जोर लगा लें लेकिन एक केंद्र स्तर के गठबंधन के लिए हमें कांग्रेस का साथ चाहिए। एक गठबंधन कांग्रेस के आसपास ही बनेगा क्योंकि भाजपा के अलावा कांग्रेस ही है जिसका पूरे देश में प्रभाव रहा है।

भाजपा की चुनावी नीति की तारीफ करते हुए उमर ने कहा कि उनके नेता हर चुनाव को पूरी ताकत के साथ लड़ते हैं। वे इसतरह से लड़ते हैं जैसे उनका जीवन इसी पर टिका हुआ है। बिहार चुनाव के बाद वह वहां से

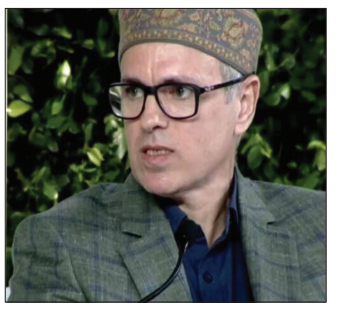

निकलकर अगले चुनाव वाले राज्यों में पहुंच गए हैं, लेकिन हम वहां चुनाव के दो महीने पहले पहुंचते हैं। इसतहर से फिर चुनाव के नतीजों पर भी अंतर पड़ता है।

पंजाब से दिल्ली तक शीतलहर का अलर्ट अब बारिश के साथ पड़ेगी जोरदार ठंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण ने लोगों की नाक में दम कर रखा है। अभी उससे निजात नहीं मिली है लेकिन कड़ाके की ठंड ने भी दिल्ली-एनसीआर में दस्तक दे दी है। अब, मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में ठंड अभी और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि पहाड़ों पर बने पश्चिमी विक्षोभ की वजह से जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में तीन दिनों यानी कि 8 दिसंबर तक भारी बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है। इसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश (यूपी) में कड़ाके की ठंड बढ़ने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग ने बिहार-झारखंड के साथ नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है।

कफ सीरप मामले में कब चलेगा बाबा का बुलडोजर, अखिलेश का तंज... चाबी खो गई या ड्राइवर भाग गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वाराणसी (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कफ सीरप मामले में योगी सरकार पर सवाल उठा दिए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई नहीं होने को लेकर योगी सरकार की बुलडोजर नीति पर तंज कसा है। उन्होंने कफ सीरप मामले में शुभम सहित अन्य सभी के घर बुलडोजर चलाने की तारीख पूछी है।

अखिलेश ने कहा कि यूपी सरकार में बाबा का जो बुलडोजर न्याय देता था, वहां अभी बुलडोजर कहां है? क्या बुलडोजर की चाबी खो गई या ड्राइवर ही बुलडोजर छोड़कर भाग गया? अब तक यहां कोई सुनवाई नहीं होती थी केवल बुलडोजर चलता था, अब कफ सीरप माफिया पर क्यों नहीं चल रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कफ सीरप कांड में एसटीएफ के लोग शामिल हैं, इसलिए बाबा बुलडोजर नहीं चल रहा है। जो लोग दबाना चाहते हैं उसमें सबसे ज्यादा जौनपुर के लोग शामिल हैं। इन सभी को वहां पर कॉल पोस्टिंग दिलाता था इसकी भी जांच होनी चाहिए। जौनपुर में एक यादव को चंद रुपयों के आरोप में गोली मारकर फेंक एनकाउंटर किया गया। अमेठी में भी एक स्वजातीय को मारा। जबकि

असली आरोपियों की गिरफ्तारी, बुलडोजर या अन्य कार्रवाई में लेटलतीफी हो रही है। अखिलेश यादव ने कफ सीरप माफिया शुभम जायसवाल का वीडियो आने के बाद पूरी सरकारी मशीनरी और वाराणसी सहित यूपी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठा दिए हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि बनारस सहित कई प्रदेशों में यह कफ सीरप कारोबार नेटवर्क फैला हुआ है। इस नेटवर्क में प्रशासनिक अफसर, पुलिस अफसर, भारतीय जनता पार्टी के लोग शामिल हैं।

शुभम का वीडियो चैनल पर चलने का मतलब है, योगी सरकार के लोगों को पता है कि वह आरोपी शुभम कहां है और अगर सफाई देनी है, तब शुभम को भारत में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। जो लोग उन्हें दोषी लगते हैं, सरकार के सामने खुलेआम उनका नाम उजागर करना चाहिए। वहीं यह भी पूछा की आरोपी शुभम के घर और संपत्तियों पर कब बुलडोजर चलेगा।

आंध्र प्रदेश में फैल स्क्रब टाइफस बीमारी, अब तक तीन महिलाओं की मौत, एक भर्ती

-बीमारी के लक्षण- तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द-शरीर दर्द, थकान और सांस लेने में दिक्कत

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों एक खतरनाक बीमारी तेजी से फैल रही है, जिसका नाम स्क्रब टाइफस है। छोटे कीड़ों के काटने से फैलने वाली इस बीमारी से अब तक तीन महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि एक व्यक्ति अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज जारी है।

हेल्थ विशेषज्ञों के मुताबिक इस बीमारी की चपेट में आने वाले मरीजों में तेज बुखार, उल्टी, सिरदर्द, शरीर दर्द, थकान और सांस लेने में दिक्कत जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। समय पर इलाज न मिलने पर यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है। यह बीमारी नई नहीं है, बल्कि सालों से आंध्र प्रदेश में हर साल इसके सैकड़ों मामले सामने आते रहे हैं। राज्य की हेल्थ अथॉरिटी के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2023 में स्क्रब टाइफस के 579 मामलों की पुष्टि हुई थी, जबकि 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 803 तक पहुंच गया।

2025 में 30 नवंबर तक 736 लोग इस संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं और अनुमान है कि दिसंबर के अंत तक मरीजों की संख्या में और तेजी से इजाफा हो सकता है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वाई सत्यकुमार यादव ने लोगों से डरने के बजाय सावधानी बरतने की अपील की है और कहा है कि यह बीमारी मलेरिया और डेंगू जैसी है, जिसका इलाज संभव है। विशेषज्ञों के मुताबिक स्क्रब टाइफस एक बैक्टीरियल संक्रमण है, जो ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक बैक्टीरिया से फैलता है। यह बैक्टीरिया सीधे इंसानों में नहीं पहुंचता, बल्कि चिगर्स या लार्वल माइट्स नामक छोटे कीड़ों के काटने से शरीर में प्रवेश करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक कीड़े के काटने के 6 से 10 दिन बाद बीमारी के लक्षण प्रकट होते हैं। कई बार जहां कीड़े ने काटा होता है वहां काले रंग का घाव दिखाई देता है, जिसे पहचानने में डॉक्टरों को काफी मदद मिलती है। गंभीर स्थिति में यह संक्रमण फेफड़ों, किडनी और मस्तिष्क तक भी फैल

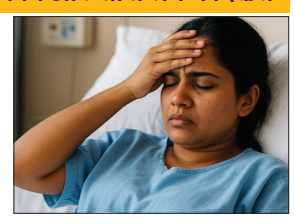

सकता है। इलाज में आमतौर पर एंटीबायोटिक दवाएं जैसे डॉक्सीसाइक्लिन दी जाती हैं, लेकिन इनका सेवन सिर्फ डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

रोकथाम के लिए विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि घास या खेतों में जाते समय फुल-स्लीव कपड़े पहनें, पैरों को पूरी तरह ढकें और कीड़ों से बचने वाले रिपेलेंट का इस्तेमाल करें। घर और आसपास की झाड़ियों को साफ रखें और खेतों में काम करते समय विशेष सावधानी बरतें। समय पर पहचान और सही उपचार से स्क्रब टाइफस से होने वाली मौतों को रोका जा सकता है, इसलिए बीमारी के लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

इंडिगो की 1000 से अधिक उड़ानें रद्द, रेलवे ने 4.89 लाख यात्रियों को दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने शुक्रवार को एक साथ 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दीं, जिससे पूरे देश में हवाई यातायात ठप्प हो गया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद समेत सभी बड़े हवाई अड्डों पर हजारों यात्री फंस गए। गुस्साए यात्रियों ने काउंटरों पर हंगामा किया। सामान को लेकर झगड़े हुए और कई जगह स्टाफ से बदसलूकी की खबरें आईं। दूसरी एयरलाइंस के टिकटों के दाम रातोंरात कई गुना बढ़ गए। इस संकट की सबसे बड़ी मार दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पड़ी, जहां एक दिन में सभी 235 घरेलू उड़ानें रद्द कर दी गईं। हालांकि रेलवे ने 4.89 लाख यात्रियों को दी बड़ी राहत दी है।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने वीडियो संदेश में इसे सिस्टम रीबूट करार दिया और कहा कि यह कदम ऑपरेशन को फिर से पटरी पर लाने के लिए जरूरी था। उन्होंने दावा किया कि शनिवार से रद्द उड़ानों की संख्या 1000 से काफी कम रहेगी और 10-15 दिसंबर तक स्थिति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी। कंपनी ने उड़ान रद्द होने की वजह पायलटों की कमी, खराब मौसम, तकनीकी खराबी और नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) नियमों को बताया। खासकर नवंबर से लागू एफडीटीएल के दूसरे चरण में रात की ड्यूटी पर सख्ती बढ़ने से इंडिगो की तैयारी उजागर हो गई। पायलट यूनियनों का आरोप है कि कंपनी लंबे समय से जानबूझकर कम स्टाफ रख रही थी, जिसका खामियाजा अब यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है।

हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी का आलम यह था कि पुणे में 16 आगमन और 16 प्रस्थान, अहमदाबाद में 86 और मध्य प्रदेश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 85 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इंडिगो ने माफी मांगी और वादा किया कि सभी रद्द टिकटों का पूरा रिफंड मूल भुगतान माध्यम से होगा। साथ ही 5 से 15 दिसंबर तक की बुकिंग पर कैंसिलेशन या तारीख बदलने पर कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा। प्रभावित यात्रियों के लिए होटल और सड़क परिवहन की व्यवस्था भी की जा रही है। लेकिन ज्यादातर यात्री शिकायत कर रहे हैं कि ये सिर्फ कागजी घोषणाएं हैं, जमीन पर कोई राहत नहीं मिल रही। इस बीच डीजीसीए ने इंडिगो को रात्रि ड्यूटी नियमों से 10 फरवरी 2026 तक अस्थायी छूट दे दी है, लेकिन साप्ताहिक 48 घंटे अनिवार्य आराम के नियम में कोई रियायत नहीं दी गई है। संकट बढ़ता देख हवाई यात्री बड़ी संख्या में भारतीय रेलवे की शरण में पहुंचे। रेलवे ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और महज कुछ घंटों में 37 महत्वपूर्ण ट्रेनों में 116 अतिरिक्त कोच जोड़ दिए। इससे 114 अतिरिक्त ट्रिप्स संचालित हो सकेंगी। प्रत्येक ट्रिप में करीब 4,000 यात्रियों को जगह मिलेगी, जिससे

कुल मिलाकर लगभग 4.89 लाख यात्रियों को राहत मिलेगी। यह विशेष व्यवस्था 6 दिसंबर से ही शुरू कर दी गई है। एक बार फिर संकट की घड़ी में भारतीय रेलवे ने साबित किया कि जरूरत पड़ने पर वह सबसे भरोसेमंद विकल्प बनी रहती है।